वर्ष : 33 » अंक : 249 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, सोमवार, 25 नवंबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

मराठा आरक्षण का मुद्दा विफल नहीं : जरांगे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/जालना

मराठा आरक्षण आंदोलन के कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उनके आंदोलन का कोई असर नहीं होने की चर्चा को रविवार को खारिज कर दिया। कहा कि कोई यह कैसे कह सकता है कि जरांगे फैक्टर विफल हो गया, जबकि मैंने न तो चुनाव लड़ा और न ही किसी का समर्थन किया। मालूम हो कि महायुति ने मराठवाड़ा क्षेत्र की 46 में से 40 सीट जीतीं, जिनमें जालना की सभी पांच सीट शामिल हैं। जालना, मराठा समुदाय के लिए नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर जरांगे के आंदोलन का केंद्र रहा है। इस वर्ष हुए लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन के खराब प्रदर्शन का श्रेय काफी हद तक जरांगे के आंदोलन को दिया गया था। जरांगे ने विशेष रूप से उपमुख्यमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ तीखी टिप्पणी की थी। जरांगे ने इस बार के परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए 204 मराठा उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं।

सीएम पद पर फंसा पेंच

शिंदे के अड़ंगे के बाद दिल्ली के पाले में गेंद

अमित बृज । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे शनिवार को घोषित कर दिए गए। महायुति ने 288 में से 235 सीटें जीत ली हैं। लेकिन पूर्ण बहुमत मिलने के बाद भी महायुति सरकार 2.0 के गठन में सीएम पद को लेकर पेंच फंस गया है। क्योंकि महायुति में शामिल शिवसेना प्रमुख एवं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे दोबारा मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर अड़ गए हैं। उन्होंने शनिवार को स्पष्ट कह दिया था कि सीएम पद के लिए ज्यादा विधायक का कोई फॉर्मूला तय नहीं हुआ था। मुख्यमंत्री पद पर शिंदे के अड़ंगे के कारण रविवार की देर रात तक महायुति में सीएम फेस को लेकर कोई निर्णय नहीं हो पाया। फिलहाल गेंद दिल्ली के पाले में डाल दी गई है और अंतिम निर्णय के लिए दिल्ली के आदेश का मुंबई में इंतजार किया जा रहा है। इसलिए नई सरकार के शपथ विधि को लेकर फिलहाल राजभवन में कोई हलचल नहीं चल रही है।

सीएम पद पर अपना-अपना दावा

विधानसभा चुनाव में महायुति को बहुमत मिलने के बाद सीएम पद को लेकर रस्साकशी तेज हो गई है। सूत्रों का दावा है कि सीएम पद पर महायुति के तीनों प्रमुख घटक दलों ने मजबूती से दावा ठोंका है। इसी के साथ-साथ महायुति में दबाव तंत्र का प्रयोग भी शुरू हो गया है। पुणे सहित महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बीजेपी की ओर से देवेंद्र फडणवीस के अगले मुख्यमंत्री वाले बैनर लगाए गए गए हैं। इसी तरह शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे को फिर से सीएम बनाने की मांग कर रहे हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में उन्हें सीएम बनाए जाने के बैनर लगाए गए हैं।

अजित गुट का दबाव नहीं

एनसीपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, महिला प्रदेश अध्यक्ष सुरेखा ठाकरे और युवा नेता सूरज चव्हाण ने अजित पवार को मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग तो की है। उनका कहना कि अजित महायुति सरकार के नए मुखिया बनें, ऐसी कार्यकर्ताओं की भावना है। लेकिन तटकरे ने यह भी कहा है कि अंतिम निर्णय बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को ही लेना है।

सीएम पद की रेस में फडणवीस सबसे आगे

सूत्रों का दावा है कि महायुति की नई सरकार में चल रही सीएम पद की रेस में देवेंद्र फडणवीस का पलडा भारी नजर आ रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, देवेंद्र फडणवीस को सीएम बनाने के संकेत पहले ही दे चुके हैं। उस पर महायुति की महा जीत में प्रमुख भूमिका निभानेवाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी फडणवीस को सीएम बनाना चाहता है। इसलिए फडणवीस रेस में आगे चल रहा है।

दोपहर का दावा : 21-12-10 का फॉर्मूला अपना सकती है महायुति

26 नवंबर को खत्म होगा सरकार कार्यकाल

दूसरी तरफ 2019 विधानसभा चुनाव में निर्वाचित हुए विधायकों का कार्यकाल 26 नवंबर (मंगलवार) को समाप्त हो रहा है। इससे पहले चुनाव आयोग को 2024 विधानसभा चुनाव में निर्वाचित हुए विधायकों की सूची राज्यपाल को सौंपनी होगी। तो वहीं 2019 में चुने गए सभी विधायक मंगलवार से पूर्व विधायक बन जाएंगे। अर्थात सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्ववाली मौजूदा महायुति सरकार का सोमवार को आखिरी दिन है। ऐसे में नई सरकार के गठन में पेंच फंसने पर राज्यपाल मौजूदा सरकार को कार्यवाहक सरकार के रूप में मंजूरी देते हैं या फिर राष्ट्रपति शासन घोषित करते हैं। इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई है।

1 मुख्यमंत्री और 2 डिप्टी CM का फॉर्मूला तय

दूसरी तरफ यह दावा भी किया जा रहा है कि 1 मुख्यमंत्री और 2 डिप्टी CM का फॉर्मूला तय हुआ है।महायुति में मंत्री पद को लेकर 22-12-10 के फॉर्मूले पर चर्चा चल रही है। 6 से 7 विधायकों पर एक मंत्री पद दिया जाना तय हुआ है। चुनाव में बीजेपी के 132, शिंदे की शिवसेना के 57 और अजित की एनसीपी के 41 विधायक जीते हैं। इस लिहाज से संभवत: बीजेपी को 22 से 24, शिवसेना (शिंदे) को 10 से 12 और एनसीपी (अजित) को 8 से 10 मंत्री पद मिल सकते हैं। इस फॉर्मूले को बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व के समक्ष मंजूरी के लिए रखा जाना है।

देवेंद्र फडणवीस ने जनता को लिखा खुला पत्र

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति फिर से चुनाव में जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव में कुल 288 सीटों में महायुति को 230 सीटें मिली है। इसमें अकेले बीजेपी ने 132 सीटों पर जीत हासिल की है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जनता के नाम खुला पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने राज्य के नागरिकों को धन्यवाद दिया है और कहा है कि आपने जो विश्वास और प्यार दिखाया है, उसके लिए मैं महाराष्ट्र की जनता को नमन करता हूं। देवेन्द्र फडणवीस ने यह भी कहा है कि महाराष्ट्र के सभी लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास दिखाया है। देवेंद्र फडणवीस ने लिखा किमहाराष्ट्र विधानसभा 2024 के चुनाव में महायुति की महान विजय केवल भाजपा-महायुति की ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के प्रत्येक नागरिक के विश्वास की भी है। आपने जो विश्वास और प्यार दिखाया है, उसके लिए मैं महाराष्ट्र की जनता को नमन करता हूं।

हार नहीं मानूंगा रार नहीं ठानूंगा

'मैं घर नहीं बैठूंगा'

महाराष्ट्र चुनाव की हार पर शरद पवार ने तोड़ी चुप्पी, बताई अपनी आगे की रणनीति

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की नतीजे आने के बाद अब सभी के मन में एक सवाल बार-बार कौंद रहा था कि NCP(SP) के इतने खराब प्रदर्शन के बाद अब शरद पवार का भविष्य क्या होगा, जिन्होंने 86 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे थे और राज्यभर में प्रचार कर रहे थे। साथ ही बारामती विधानसभा क्षेत्र से उन्होंने अजित पवार के खिलाफ अपने भतीजे युगेंद्र पवार को मैदान में उतारा था। शरद पवार ने हर उम्मीदवार के लिए प्रचार किया था, फिर भी उनकी पार्टी महज 10 सीटों पर सिमट कर रह गई। इस बीच शरद पवार ने अपनी आगे की रणनीति बताई। उन्होंने रविवार को कराड में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मीडिया से बातचीत की। इस दौरान शरद पवार ने कहा कि यह हार स्वीकार कर ली गई है और हमने जनता की राय स्वीकार कर ली है।

'अजित पवार और युगेंद्र पवार की तुलना नहीं हो सकती'

लोकसभा की तरह विधानसभा में भी बारामती विधानसभा सीट महाराष्ट्र की राजनीति के केंद्र में था। इस सीट पर चाचा अजित पवार और भतीजे युगेंद्र पवार के बीच मुकाबला था। अजित पवार पिछले 20 साल से विधायक हैं। इस विधानसभा चुनाव में युगेंद्र पवार ने पहली बार राजनीति में हिस्सा लिया, लेकिन उनके पीछे शरद पवार का बहुत बड़ा समर्थन था। इसलिए, पवार परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर थी कि बारामती की जनता अजित पवार का समर्थन करेगी या शरद पवार का। इसी बीच 23 नवंबर को विधानसभा नतीजे घोषित हो गए और अजित पवार करीब एक लाख वोटों से जीत गए। इस बारे में जब शरद पवार से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि अजित पवार और युगेंद्र पवार की तुलना नहीं की जा सकती। शरद पवार ने कहा, 'बारामती से किसी को मैदान में उतारना जरूरी था। अगर कोई खड़ा नहीं होता तो महाराष्ट्र में क्या संदेश जाता? हम जानते हैं कि अजित पवार की तुलना युगेंद्र से नहीं की जा सकती। अजित पवार ने कई सालों तक यहां काम किया है। सत्ता में समर्थन एक तरफ और नए युवा उम्मीदवार दूसरी तरफ, इसलिए इसकी तुलना नहीं की जा सकती।'

राजनीतिक करियर में कई उतार-चढ़ाव आए : शरद पवार

शरद पवार ने अपने अब तक के जीवन में कई राजनीतिक तूफानों का सामना किया है। उनके राजनीतिक करियर में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन हर बार उन्होंने इससे पार पा लिया। शरद पवार अपने कई भाषणों में ऐसे कई अनुभवों का जिक्र भी करते आए हैं। तो अब 84 साल की उम्र में असफलता के बाद शरद पवार आगे क्या भूमिका निभाएंगे, इस पर पूरे राज्य की नजर है। इस पर पवार ने कहा, रुपरिणाम कल घोषित किया गया। आज मैं कराड में हूं। इस नतीजे के बाद कोई भी घर बैठ गया होगा, लेकिन मैं घर पर नहीं बैठूंगा। हमने नहीं सोचा था कि हमारी युवा पीढ़ी को ये परिणाम मिलेगा। उनका आत्मविश्वास बढ़ना चाहिए। इसलिए उन्हें फिर से खड़ा करना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना, नई ऊर्जा के साथ उत्पादक पीढ़ी तैयार करना ही मेरा अगला कदम होगा।

40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वालों को मिलेगा 4 प्रतिशत आरक्षण

केंद्र सरकार ने जारी किया दिशा-निर्देश

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र ने कम से कम 40 प्रतिशत दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण और पदों की पहचान सुव्यवस्थित करने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें ऐसे पदों की समय-समय पर पहचान और उनका मूल्यांकन करने के लिए समितियों का गठन अनिवार्य किया गया है। साथ ही दृष्टि बाधित, चलने-फिरने में अक्षम, श्रवण बाधित व बौद्धिक अक्षमता सहित विभिन्न श्रेणियों में सीधी भर्ती और पदोन्नति में चार प्रतिशत आरक्षण का भी प्रविधान किया गया है।

क्यों उठाया गया यह कदम?

दिशा-निर्देशों में यह भी कहा गया है कि अगर कोई पद दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उपयुक्त समझा जाता है तो उसके बाद के पदोन्नति वाले सभी पद भी दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित रहेंगे। ये दिशा-निर्देश दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुरूप हैं। यह कदम दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के क्रियान्वयन में विसंगतियों को चिह्नित करने और पदों की पहचान में अनधिकृत कार्रवाई के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) जैसी संस्थाओं की आलोचना करने के बाद उठाया गया है।

तीन वर्ष में व्यापक समीक्षा आवश्यक

अदालत ने इसके साथ दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) को समान दिशा-निर्देश बनाने का आदेश दिया। नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य केंद्र सरकार के प्रतिष्ठानों में दिव्यांग व्यक्तियों को रोजगार में समावेशिता, निष्पक्षता और एकरूपता सुनिश्चित करना है। इनके मुताबिक, प्रौद्योगिकीय प्रगति और नौकरी की नई आवश्यकताओं को शामिल करने के लिए चिह्नित पदों की हर तीन वर्ष में व्यापक समीक्षा आवश्यक है।

हेमंत सोरेन 28 नवंबर को सीएम पद की लेंगे शपथ

राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा किया पेश

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को राजभवन पहुंचे। वह राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। वे 28 नवंबर को सीएम पद की शपथ लेंगे। झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 में इंडिया गठबंधन को प्रचंड जीत मिली है। 56 सीटों पर गठबंधन ने जीत दर्ज की है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राजभवन में भेंट की और उन्हें त्यागपत्र सौंपा। राज्यपाल ने उनका त्यागपत्र स्वीकार कर कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था के गठन तक अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहें। इसके बाद झामुमो, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एवं भाकपा (माले) के शिष्टमंडल ने राजभवन में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड में सरकार गठन के लिए निर्वाचित विधायकों का समर्थन पत्र समर्पित किया। राज्यपाल ने हेमंत सोरेन को झारखंड का मनोनीत मुख्यमंत्री नियुक्त करते हुए उन्हें सरकार गठन के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री आवास में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक

झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में इंडिया गठबंधन की बैठक हुई। इसमें झामुमो, कांग्रेस, राजद और भाकपा माले के नवनिर्वाचित विधायक शामिल हुए।

झारखंड विधान चुनाव में इंडिया गठबंधन को मिली है प्रचंड जीत

झारखंड विधानसभा चुनाव में इस बार इंडिया गठबंधन ने पिछले चुनाव के मुकाबले शानदार प्रदर्शन किया है। गठबंधन ने 56 सीटों पर जीत हासिल की है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 34 सीटों पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस को 16 सीटों पर जीत मिली है। राष्ट्रीय जनता दल के खाते में चार सीटें आयी हैं। गठबंधन के घटक दल भाकपा माले को दो सीटों पर जीत मिली है।

आज से संसद का विंटर सेशन, अडाणी पर हंगामे के आसार

एजेंसी । नई दिल्ली

18वीं लोकसभा का तीसरा सत्र (शीतकालीन सत्र) 25 नवंबर से शुरू होने वाला है। इससे पहले रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। इस दौरान 30 पार्टियों के कुल 42 नेता मौजूद थे। कांग्रेस समेत विपक्षी नेताओं ने लोकसभा में पहले दिन अडाणी मामले पर बहस की मांग की है। अमेरिका की न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट ने गौतम अडाणी पर सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,200 करोड़ रुपए की रिश्वत देने की पेशकश का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने इस मामले पर JPC की मांग रखी है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि उनकी पार्टी ने मणिपुर हिंसा, प्रदूषण, रेल दुर्घटनाओं पर भी संसद में चर्चा का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- चर्चा के मुद्दों पर कार्य मंत्रणा समिति फैसला करेगी। विपक्ष सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने दे।

19 बैठकें होंगी

संसद का शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सरकार ने संसद से मंजूरी के लिए वक्फ संशोधन विधेयक सहित 16 विधेयकों की लिस्ट तैयार की है। लोकसभा बुलेटिन के मुताबिक लोकसभा में 8 और राज्यसभा में 2 विधेयक लंबित हैं। सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले केरल और नांदेड़ सीट से उपचुनाव जीतकर आए 2 नए सांसदों को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला शपथ दिलाएंगे।

सत्र में कुल 16 बिल, 11 पर चर्चा, 5 मंजूरी के लिए पेश होंगे

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कुल 16 विधेयक पेश किए जाने हैं। इनमें से 11 विधेयक चर्चा के लिए रखे जाएंगे। जबकि 5 कानून बनने के लिए मंजूरी के लिए रखे जाएंगे। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए प्रस्तावित विधेयकों का सेट अभी सूची का हिस्सा नहीं है, हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सरकार इसे सत्र में ला सकती है। वहीं, राज्यसभा बुलेटिन में कहा गया है कि लोकसभा से पारित एक अतिरिक्त विधेयक भारतीय वायुयान विधेयक राज्यसभा में मंजूरी के लिए लंबित है।

पहली बार संसद में गांधी परिवार के तीन सदस्य

केरल के वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी की जीत के बाद लोकसभा में दोबारा कांग्रेस के 99 सांसद हो गए हैं। वायनाड सीट राहुल गांधी ने छोड़ी थी, जबकि नांदेड़ सीट कांग्रेस सांसद बसंतराव चव्हाण के निधन के चलते खाली हुई थी। इन पर हाल ही में उपचुनाव हुए हैं और दोनों ही सीटें कांग्रेस के पास वापस आ गई हैं। यह पहली बार होगा कि कांग्रेस पार्टी से जुड़े गांधी परिवार के 3 सदस्य एक साथ संसद के सदस्य होंगे। राहुल गांधी रायबरेली से और प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से लोकसभा सांसद हैं। जबकि सोनिया गांधी राजस्थान से राज्य सभा सांसद हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मतदाताओं ने दलबदलुओं को नकारा

■ तगड़े मुकाबलों में कोई जगह नहीं बना पाए बागी उम्मीदवार

डीबीडी संवाददाता । नासिक

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे शनिवार को जारी हुए। नतीजों में महायुति गठबंधन ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा की 230 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नीत महा विकास आघाडी (एमवीए) महज 46 सीट पर सिमटकर रह गई। नासिक जिले की 15 विधानसभा सीटों के नतीजों में एक खास रुझान देखने को मिला। यहां मतदाताओं ने उन उम्मीदवारों को घर बैठा दिया जिन्होंने दल बदलकर या निर्दलीय चुनाव लड़ा था और बगावत का झंडा उठाया था। देवलाली में सहयोगी दलों के आधिकारिक उम्मीदवार उतारने के बावजूद बागियों ने बगावत की थी, लेकिन उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा। यह स्पष्ट है कि मतदाताओं ने ऐसे उम्मीदवारों को सबक सिखाया है जो दल बदलकर या निर्दलीय चुनाव लड़े थे।

70 हजार वोटों से हार

इसके अलावा नासिक पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में टिकट न मिलने से नाराज दिनकर पाटिल ने मनसे के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उन्हें 46649 वोट मिले और वह तीसरे स्थान पर रहे। चांदवड़ विधानसभा क्षेत्र में भी भाईचारा टूट गया। इस क्षेत्र में बगावत करने वाले भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष केदा अहेर तीसरे स्थान पर रहे। उन्हें 47 हजार 371 वोट मिले। नांदगांव विधानसभा क्षेत्र का चुनाव कई कारणों से चर्चित रहा। यहां राकांपा (अजित पवार गुट) के पूर्व पदाधिकारी समीर भुजबल ने शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवारों के खिलाफ बगावत कर दी। नासिक पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के पूर्व स्थायी अध्यक्ष गणेश गिते ने राष्ट्रवादी शरद पवार गुट से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें लगभग 70 हजार वोटों से हार का सामना करना पड़ा।

40 हजार वोटों से हारी राजश्री अहिरराव

विधानसभा चुनाव के दौरान यहां के कई निर्वाचन क्षेत्रों में हुई बगावत चर्चा का विषय बनी हुई थी। कुछ लोगों ने दल बदलकर दूसरे दल से उम्मीदवारी हासिल की, जबकि कुछ निर्दलीय मैदान में उतरे। देवलाली निर्वाचन क्षेत्र में महायुती में बगावत हुई थी। यहां राष्ट्रवादी अजित पवार गुट के कब्जे की सीट पर शिवसेना शिंदे गुट ने डॉ. राजश्री अहिरराव को मैदान में उतारा था। उन्हें 40 हजार वोटों के अंतर से पराजित होना पड़ा।

60 वर्षीय व्यक्ति ने झील में कूदकर की आत्महत्या

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

आकस्मिक मौत का मामला दर्ज

ठाणे के कासरवडावली इलाके में रविवार को 60 वर्षीय मारुति वसंत पाटिल ने मोगरपाड़ा झील में कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ को दोपहर करीब 4 बजे मिली। बचाव दल और एम्बुलेंस को घटनास्थल पर भेजा गया। इसके बाद पाटिल के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस का कहना है कि मामले में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है। समाचार के मुताबिक, पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोपहर के समय कासरवडावली इलाके में मोगरपाड़ा झील में 60 वर्षीय एक व्यक्ति ने झील में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ को शाम करीब 4 बजे व्यक्ति के झील में कूदने की सूचना मिली। नागरिक आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि बचाव दल और एम्बुलेंस को घटनास्थल पर भेजा गया।उन्होंने बताया कि इसके बाद 60 वर्षीय व्यक्ति को झील से निकाला गया। इसके शख्स को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मारुति वसंत पाटिल के रूप में की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। जांच जारी है।

पूरी तरह से कांग्रेस-मुक्त हुए पुणे शहर-ग्रामीण

डीबीडी संवाददाता । पुणे

कभी कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले पुणे शहर और ग्रामीण इलाके अब पूरी तरह से कांग्रेस-मुक्त हो गए हैं। शनिवार को विधानसभा चुनाव के नतीजों में पार्टी यहां से एक भी सीट हासिल करने में विफल रही।

21 विधानसभा क्षेत्रों और चार लोकसभा सीटों वाले इस जिले में पार्टी के लिए यह नतीजे एक नाटकीय गिरावट है, जिनमें से किसी में भी अब इस पुरानी पार्टी का प्रतिनिधित्व नहीं है। पिछली विधानसभा में कांग्रेस के पास पुणे जिले की तीन सीटें थीं, जिसमें संग्राम थोपटे (भोर), संजय जगताप (पुरंदर), और रवींद्र धंगेकर (कस्बा पेठ) शामिल हैं।

हालांकि, इस बार तीनों मौजूदा विधायक चुनाव हार गए। यह हार इस बात को रेखांकित करती है कि मोहन धारिया, विट्ठलराव गाडगिल और सुरेश कलमाड़ी जैसे दिग्गजों के वर्चस्व वाले इस क्षेत्र में पार्टी का प्रभाव कम होता जा रहा है। पार्टी का प्रदर्शन न केवल पुणे में बल्कि पूरे पश्चिमी महाराष्ट्र में भी गिरा है, जहां अब इसकी मौजूदगी कुछ अलग-थलग निर्वाचन क्षेत्रों तक सीमित रह गई है। 21 सीटों में से कांग्रेस ने इस बार यहां पांच सीटों पर चुनाव लड़ा था।

पार्टी ने जिले में खोई सभी सीटें

2019 में कांग्रेस के पास पुणे जिले से दो विधायक थे, जबकि 2023 के उपचुनाव में वह भाजपा के गढ़ कस्बा पेठ को भी जीतने में सफल रही। इस बार, पार्टी ने ये सभी सीटें खो दीं। कांग्रेस नेता मोहन जोशी ने कहा, 'हमारी पार्टी ने पुणे में अपना प्रतिनिधित्व खो दिया है, जो एक गंभीर झटका है। हमें आत्ममंथन करने और आगामी स्थानीय चुनावों के लिए पार्टी के भीतर आत्मविश्वास पैदा करने की आवश्यकता है।'

बागियों की बगावत बनी हार का कारण

राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, आंतरिक असंतोष ने कांग्रेस के अभियान को और कमजोर कर दिया है। तीन प्रमुख नेता- आबा बागुल (पर्वती), मनीष आनंद (शिवाजीनगर) और कमल व्यवहारे (कस्बा पेठ) ने आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ बगावत कर दी, जिससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत में मदद मिली। कांग्रेस नेताओं ने इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अरविंद शिंदे ने कहा, "हम मतदाताओं के जनादेश का सम्मान करते हैं, हालांकि परिणाम निराशाजनक हैं। कई आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए हैं, यहां तक कि बालासाहेब थोरात, पृथ्वीराज चव्हाण और यशोमति ठाकुर जैसे नेता भी हार गए हैं। अब संगठन के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।"

पार्टी के नेतृत्व में बदलाव की जरूरत

नाम न बताने की शर्त पर कांग्रेस के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने नेतृत्व में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'भाजपा, एनसीपी, शिवसेना और मनसे जैसी अन्य पार्टियों में तीसरी और युवा पीढ़ी को नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए सक्रिय रूप से तैयार किया जा रहा है। हर दशक में, वे जानबूझकर नए नेताओं के लिए जगह बनाते हैं, हालांकि कांग्रेस में वही पुराने नेता शहर पर हावी हैं। अब समय आ गया है कि वरिष्ठ नेता सलाहकार की भूमिका में वापस आए और नए नेतृत्व का मार्ग प्रशस्त करें।' राजनीतिक विशेषज्ञों के मुताबिक, पुणे से कांग्रेस का पूरी तरह से गायब होना, एक समय पर कांग्रेस का गढ़ रहा शहर, इसके संगठनात्मक और चुनावी पतन का एक महत्वपूर्ण संकेत है। उनके अनुसार अब चुनौती पार्टी को नए नेतृत्व और रणनीतियों के साथ पुनर्जीवित करने की है ताकि क्षेत्र में अपनी पैठ फिर से हासिल की जा सके।

उत्तर महाराष्ट्र में 35 में से 33 सीटों पर महायुति हुई विजयी

डीबीडी संवाददाता । नासिक

उत्तर महाराष्ट्र में महायुति ने 35 में से 33 सीटें जीतकर महाविकास आघाडी को करारी शिकस्त दी। शिवसेना (उद्धव ठाकरे), राष्ट्रवादी (शरद पवार), मनसे, वंचित बहुजन आघाड़ी सहित अन्य किसी को भी अपना खाता खोलने में सफलता नहीं मिली। नासिक जिले में महायुती के सभी उम्मीदवार विजयी हुए। जिले के 15 में से राष्ट्रवादी (अजित पवार) ने सर्वाधिक 7, भाजपा ने 5 और शिवसेना (एकनाथ शिंदे) ने 2 सीटें जीतीं। एमआईएम ने मालेगांव मध्य की सीट बचाने में सफलता हासिल की।

जिले के चुनाव के नतीजों की खास बात यह है कि पिछली विधानसभा में दिखाई देने वाले सभी विधायक नई विधानसभा में भी दिखाई देंगे। इसमें एक भी नया चेहरा नहीं है। जिले के दोनों मंत्री दादा भुसे और छगन भुजबल भी जीत गए हैं। बागलाण निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के दिलीप बोरसे ने जिले में सबसे अधिक वोटों के अंतर (एक लाख 30 हजार) से जीत हासिल की है। जलगांव जिले में सभी 11 निर्वाचन

क्षेत्रों में महायुति ने अपना वर्चस्व स्थापित किया है।

कांग्रेस की एकमात्र रावेर सीट भी महायुति ने जीत ली। जिले में महायुती के तीनों मंत्री गिरीश महाजन, गुलाबराव पाटील और अनिल पाटील भी जीत गए। पाचोरा में शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के किशोर पाटील और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) की वैशाली सूर्यवंशी के बीच हुए चुनाव में वैशाली की हार हुई है। मुक्ताईनगर में वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे को हार का सामना करना पड़ा। धुले जिले में भी महायुति ने सभी 5 सीटें जीत लीं, जिनमें धुले शहर और धुलेया ग्रामीण दोनों सीटें विरोधियों से जीतीं। धुलेया ग्रामीण में भाजपा के नए उम्मीदवार राम भदाणे ने कांग्रेस के विधायक कुणाल पाटील को हराया, जिससे कांग्रेस के पास एक भी सीट नहीं बची। धुलेया शहर निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के अनूप अग्रवाल ने एमआईएम के विधायक फारुक शाह को हराया।

उत्तर महाराष्ट्र में एक लाख से अधिक वोटों के अंतर से 3 उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इनमें शिरपुर से भाजपा के काशिराम पावरा एक लाख 45 हजार 944 वोटों के अंतर से, बागलाण से भाजपा के दिलीप बोरसे एक लाख 29 हजार 638 वोटों के अंतर से और मालेगांव बाह्य से शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के दादा भुसे एक लाख 6 हजार 606 वोटों के अंतर से विजयी हुए हैं।

बरकरार रही एमआईएम की सीट

मालेगांव मध्य निर्वाचन क्षेत्र में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) के विधायक मौलाना मुफ्ती इस्माईल ने इस्लाम पार्टी के आसिफ शेख को महज 162 वोटों से हराया। मौलाना को एक लाख 9 हजार 332 वोट मिले, जबकि शेख को एक लाख 9 हजार 257 वोट प्राप्त हुए। समाजवादी पार्टी की शान-ए-हिंद और कांग्रेस के एजाज बेग को क्रमशः 9580 और 7527 वोट मिले। मतगणना के दसवें राउंड तक शेख आसिफ आगे चल रहे थे, लेकिन इसके बाद दोनों उम्मीदवारों के बीच सांप-सीढ़ी का खेल शुरू हो गया। अंतिम व 25वें वें राउंड में मौलाना ने 162 वोटों की बढ़त लेकर शेख को हराया। प्रतिस्पर्धी उम्मीदवार शेख की ओर से आपत्ति जताने के कारण शाम तक परिणाम घोषित नहीं हो पाया था, लेकिन निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने रात 8 बजे के करीब लिखित नतीजे देकर मुफ्ती इस्माईल को विजयी घोषित कर दिया।

निर्वाचित विधायक कुमार आयलानी ने की उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से मुलाकात

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

शहर की जनता के आशीर्वाद से भारी मतों से जीत हासिल करने के बाद रविवार को शहर के विधायक कुमार आयलानी राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के मुंबई स्थित सागर स्थित बंगले पर पहुंचे और उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आयलानी का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। कुमार आयलानी ने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस को महागठबंधन को भारी बहुमत मिलने पर बधाई दी।

टिकट देते समय उन्होंने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस

के करीबी माने जाने वाले कुमार आयलानी पर भरोसा जताया था। सागर बंगले पर ही विधायक कुमार आयलानी ने जाने-माने वकील उज्ज्वल निकम, ओबीसी मंत्री अतुल सावे, घाटकोपर के नवनिर्वाचित विधायक राम कदम और अन्य लोगों से भी मुलाकात की और सभी ने उन्हें जीत की बधाई दी। उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि कुमार आयलानी पहले की तरह शहर के विकास के लिए काम करेंगे।

विधानसभा चुनाव के बाद अब स्थानीय निकाय चुनावों की प्रतीक्षा

डीबीडी संवाददाता । जलगांव

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे शनिवार को जारी कर दिए गए जिसमें महायुति गठबंधन ने महाविकास आघाड़ी को करारी शिकस्त दी है। चुनाव नतीजों में महायुति गठबंधन में शामिल दलों ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा की 230 सीट पर जीत दर्ज की है। महायुति की इस अप्रत्याशित जीत ने महाविकास आघाड़ी के नेताओं के साथ-साथ महायुती के नेताओं को भी हैरान कर दिया है। महायुति को विधानसभा चुनाव में मतदाताओं द्वारा मिले इस प्रतिसाद (रिस्पॉन्स) को

देखते हुए, अब जल्द ही स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव के लिए बिगुल बजने की संभावना व्यक्त की जा रही है। महाराष्ट्र में नगरपालिका, महापालिका, जिला परिषद, पंचायत समिती और अन्य स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव अभी तक नहीं हुए हैं।

जल्द हो सकती है चुनाव की घोषणा

इन स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं का संचालन पिछले कई वर्षों से प्रशासकों के माध्यम से किया जा रहा है। इसलिए, यहां जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग की जा रही है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में महायुति की ऐतिहासिक जीत के बाद, महायुति के नेताओं ने भी इस मामले में सकारात्मक भूमिका निभाई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद महायुति राज्य में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव कराने के लिए तैयार हो सकती है। इसलिए राज्य में जल्द ही स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव की घोषणा होने की संभावना है।

महाराष्ट्र में 26 महानगरपालिका, 25 जिला परिषद और 207 नगरपालिका और पंचायत समितियों के चुनाव लंबित हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में एक परिपत्रक जारी किया है, जिसमें मतदाता सूची के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। अब महाराष्ट्र में जनता को इन सभी स्थानीय संस्थाओं के चुनावों की प्रतीक्षा है।

बता दें कि शनिवार को जारी हुए नतीजों में महायुति ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की है। उसने 288 में से 230 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नीत महा विकास आघाडी (एमवीए) महज 46 सीट पर सिमटकर रह गई। बीजेपी के उम्मीदवारों को सबसे ज्यादा सीटों पर जीत मिली। शनिवार को मतगणना पूरी होने के बाद निर्वाचन आयोग ने घोषणा की कि भाजपा ने 132 सीट, शिवसेना ने 57 और राकांपा ने 41 सीट जीती हैं। वहीं, एमवीए में, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवारों ने 10 सीट, कांग्रेस ने 16 और शिवसेना (UBT) ने 20 सीट जीती हैं।

मंत्री बनने का सोचा नहीं, मौका मिला तो करूंगा दोगुना विकास: महेश चौघुले

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी पश्चिम से तीसरी बार भाजपा के टिकट पर चुन कर जीत का हैट्रिक लगाने वाले महेश प्रभाकर चौघुले ने अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैं मेरी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, पार्टी के केंद्र व प्रदेश के नेताओं, पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं तथा भिवंडी की जनता का दिल से आभार व्यक्त कर शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे तीसरी बार चुनकर विधानसभा में भेजा। मंत्री पद की कब शपथ लेंगे सवाल पूछने पर उन्होंने कहा कि मैंने अभी तक मंत्री बनने का सोचा नहीं, अगर मंत्री बना तो भिवंडी का दोगुना विकास करूंगा। मेरा पूरा फोकस भिवंडी शहर के विकास पर होगा, क्योंकि मैंने मेरे क्षेत्र की जनता से विकास के नाम पर वोट मांगा है। उन्होंने भिवंडी महानगर पालिका में व्याप्त

भारी भ्रष्टाचार को शीघ्र रोकने के लिए पहली प्रतिबद्धता दिखाई। उन्होंने कहा कि भिवंडी में लूट और भ्रष्टाचार करने वाले ही विकास की बात कर रहे थे। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि भिवंडी में कटोगे तो बंटोगे का नारा चला क्या ? इस पर उन्होंने कहा कि यहां सिर्फ विकास का नारा था,वही चला। हम जाति धर्म का भेदभाव नहीं करते हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी का एक ही नारा है, सबका साथ सबका विकास। मैं पूरी निष्ठा से भिवंडी का विकास करूंगा, उसमें सब लोगों को मिलकर मेरा साथ देना चाहिए। उन्होंने केन्या से केवल उनको वोट देने के लिए इंडिया आए रोहित तथा उनकी पत्नी अमिता गाला का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

भिवंडी भाजपा जिला मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में विधायक चौघुले ने सभी मीडिया कर्मियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भिवंडी भाजपा जिला अध्यक्ष एड हर्षल पाटिल, उपाध्यक्ष सुमित पाटील, जेष्ठ नगर सेवक निलेश चौधरी, महासचिव राजू गाजेंगी, पूर्व नगरसेवक श्याम अग्रवाल, महासचिव कल्पना शर्मा, विशाल पाठारे, एड.प्रवीण मिश्रा, सचिव अजीत ठाकुर, प्रसिद्ध प्रमुख पी डी यादव, भरत भाटी, महिदीप सिंह चौहान, नंदन गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ठाणे आरटीओ ने जब्त 40 वाहनों की ऑनलाइन नीलामी की

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के जब्त वाहनों की नीलामी 3 दिसंबर को ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी। विभाग की ओर से कार्रवाई के दौरान 40 वाहन जब्त किया गया है।प्रादेशिक परिवहन कार्यालय ठाणे महाराष्ट्र वाहन अधिनियम 1959 व अधिनियम 1988 के प्रावधानों का उपयोग करते हुए ठाणे, राज्य परिवहन भिवंडी आगार, भिवंडी, राज्य परिवहन मिरा भाईंदर आगार, मुंब्रा यातायात पुलिस स्टेशन, राज्य परिवहन शहापूर आगार में जब्त वाहनों को रखा गया है। 40 वाहनों को भूमि राजस्व अधिनियम, 1966 के प्रावधानों का उपयोग करते हुए 29 नवंबर को सुबह 11 बजे प्रादेशिक परिवहन कार्यालय, ठाणे में ऑनलाइन ई-नीलामी के माध्यम से नीलाम किया जाना था लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से इस नीलामी को 3 दिसम्बर

सुबह 11 बजे ऑनलाइन ई-नीलामी किया जायेगा। नीलामी के लिए इच्छुक लोगों से अनुरोध है कि वह प्रादेशिक परिवहन कार्यालय, ठाणे के माध्यम से नीलामी में हिस्सा लें।उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि नीलामी के नियम व शर्तों और जमा राशि की जानकारी नीलामी से पहले ऑनलाइन दिया गया है।

कांग्रेस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन: पृथ्वीराज चव्हाण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। सूबे में पार्टी को करारी शिकस्त मिली है। महाविकास अगाड़ी में शामिल कांग्रेस ने महज 16 सीटों पर जीत दर्ज की है। इस बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि कांग्रेस की हार बेहद चौंकाने वाली है और ये राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। इस चुनाव में चव्हाण सहित एमवीए के कई बड़े नेता चुनाव हार गए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले इस तरह का प्रदर्शन पार्टी ने कभी नहीं किया। किसी को भी इस तरह के नतीजों की उम्मीद नहीं थी। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि महिलाओं को वित्तीय सहायता देने के लिए महायुति सरकार की लाडकी बहिन योजना ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं को पसंद आई, लोग इस योजना से प्रभावित हुए और उन्होंने महायुतिके पक्ष में मतदान किया। वहीं ध्रुवीकरण ने राज्य के शहरी इलाकों में महाविकास आघाडी (एमवीए) की संभावनाओं को प्रभावित किया।

बीजेपी उम्मीदवार ने चव्हाण को दी शिकस्त

विधानसभा चुनाव में पृथ्वीराज चव्हाण भी कराड दक्षिण सीट से चुनावी रण में उतरे थे। हालांकि उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा। बीजेपी के उम्मीदवार अतुल भोसले ने उन्हें 39,355 मतों के अंतर से शिकस्त दी। चव्हाण ने कहा कि यह कहना मुश्किल है कि चुनाव कोई लहर थी या धांधली हुई। लेकिन जिस तरह से चुनाव के नतीजे आए हैं वो कांग्रेस पार्टी के लिए बेहद चौंकाने वाले हैं। इस तरह के नतीजों को किसी को उम्मीद नहीं थी।

'कांग्रेस की हार चौकाने वाली है'

उन्होंने कहा कि सतारा जिले की कराड दक्षिण सीट पर उन्हें 5,000 से 6,000 वोटों से जीतने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जिले में महाविकास अघाड़ी के सभी उम्मीदवार करीब 40,000 मतों के अंतर से हार गए। चव्हाण ने कहा कि साल 1977 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को महाराष्ट्र में 48 में से 20 सीट मिली थी, जो सबसे कम सीट थी। वहीं इस बार के विधानसभा चुनाव में पार्टी का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है, यह एक चौंकाने वाली हार है।

चुनाव में महायुति का शानदार प्रदर्शन

बीते शनिवार 23 नवंबर को निर्वाचन आयोग ने चुनाव के नतीजे घोषित किए थे। जिसमें महायुति की शानदार जीत हुई। बीजेपी ने चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। राज्य की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान हुआ था। जिसमें महायुति ने 230 सीटों पर जीत दर्ज की। चुनाव में बीजेपी ने 132, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) ने 57 और NCP (अजित पवार) ने 41 सीटें जीतीं। वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाला महा विकास अघाड़ी (MVA) 46 सीटों पर सिमट गया। इसमें शिवसेना (उद्धव गुट) को 20, कांग्रेस 16 और NCP (शरद पवार) के हिस्से 10 सीटें आईं। वहीं 2 सीटों पर समाजवादी पार्टी ने जीत दर्ज की।

'ये हिंदुत्व की जीत है, महाराष्ट्र में सिर्फ भगवा चलेगा, फतवा नहीं'

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की शानदार जीत के बाद भाजपा नेता नितेश राणे ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने रविवार को कहा कि ये हिंदुत्व की जीत है। हमारे महाराष्ट्र के हिंदू समाज ने जवाब दे दिया है कि हमारे महाराष्ट्र में सिर्फ भगवा ही चलेगा फतवा नहीं चलेगा। राणे ने कहा, 'ये जनादेश लव जिहाद, लैंड जिहाद और इस्लामीकरण के खिलाफ मिला है। महाराष्ट्र के हिंदू समाज ने सीधा संदेश दिया है कि मस्जिदों में 5 बार बजने वाले लाउड स्पीकर बंद हो जाने चाहिए। सब जगहों पर जो हरी चादर डालने का कार्यक्रम शुरू हुआ था उसके खिलाफ हमें जनादेश मिला है।'

नितेश राणे ने कहा कि अभी महाराष्ट्र में केवल भगवाधारियों का ही राज्य चलेगा। इसी तरह का जनादेश मिलने की वजह से आने वाले दिनों में उसी तरह की सरकार दिखेगी। मालूम हो कि भाजपा के प्रमुख विजयी उम्मीदवारों में मौजूदा विधायक नितेश राणे शामिल हैं, जिन्होंने सिंधुदुर्ग जिले की कंकावली विधानसभा सीट पर 58,007 मतों के अंतर से जीत हासिल की। भाजपा उम्मीदवार नितेश नारायण राणे ने शिवसेना (यूटीबी) के कैंडिडेट संदेश भाष्कर पारकर को हराया है।

288 विधानसभा सीटों में से 230 पर महायुति जीती

महायुति ने महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें जीतकर भारी बहुमत से सत्ता बरकरार रखी। वहीं, भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और उन्हें राज्य विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के नामों वाले राजपत्र की प्रतियां भेंट कीं। उप निर्वाचन आयुक्त हृदेश कुमार और महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें राजपत्र और आयोग की अधिसूचना की प्रतियां सौंपी। राज्य चुनाव के परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए गए। निर्वाचित विधानसभा सदस्यों के नाम भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के तहत महाराष्ट्र सरकार के राज्य राजपत्र में प्रकाशित किए गए।

विधानसभा में विपक्ष का नहीं होगा कोई नेता: चंद्रशेखर बावनकुले

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी के गठबंधन महायुति ने जीत का ऐसा परचम लहराया कि हर तरफ चर्चा हो रही है। इस शानदार जीत से गठबंधन में जहां खुशी की लहर है तो वहीं महाविकास अघाड़ी में मायूसी छाई हुई है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, कौन सत्ता की कमान संभालेगा। इसको लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। वहीं इस मामले में अब बीजेपी के महाराष्ट्र बीजेपी के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले का बयान सामने आया है।

चंद्रशेखर बावनकुले का कहना है कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा ये महायुति के नेता और बीजेपी नेतृत्व तय करेगा। महायुति गठबंधन में मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) शामिल है। उन्होंने कहा कि गठबंधन के नेता एक साथ मिलकर और सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री के नाम का फैसला करेंगे।

'महाराष्ट्र की जनता ने कांग्रेस को खारिज कर दिया'

इसके साथ ही चुनाव के परिणामों पर उन्हें खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले महज 200 मतों के अंतर से चुनाव जीते हैं, इससे पता चलता है कि सूबे में कांग्रेस की क्या हालत है। कांग्रेस जनता का विश्वास खो चुकी है।

'समाज के सभी वर्गों ने बीजेपी का समर्थन किया'

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में समाज के सभी वर्गों ने बीजेपी का समर्थन किया। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया। पीएम ने हर वर्ग के विकास के लिए काम किया। बावनकुले ने कहा कि विधानसभा में विपक्ष के नेता पद के लिए किसी भी पार्टी को पर्याप्त सीट नहीं मिली, इसके लिए कांग्रेस के झूठ को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई राज्य में 1।51 करोड़ नए प्राथमिक सदस्य बनाने का अभियान शुरू करेगी।

राज्य विधानसभा में नहीं होगा नेता विपक्ष

विधानसभा चुनाव की बात करें तो सूबे की 288 सीटों पर एक चरण में 20 नवंबर को वोट डाले गए थे। वहीं शनिवार 23 नवंबर को नतीजे जारी किए गए थे। महायुति गठबंधन ने 230 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी। वहीं विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) महज 46 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी। इसमें शिवसेना (उद्धव गुट) को 20, कांग्रेस 16 और NCP (शरद पवार) के हिस्से 10 सीटें आईं। वहीं 2 सीटों पर समाजवादी पार्टी ने जीत दर्ज की। खास बात ये है कि राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद किसी को भी नहीं मिल सकेगा, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के बाहर कोई भी दल इसके लिए जरूरी 29 सीट हासिल नहीं कर सका है।

उद्धव और शरद पवार की पार्टी फिर टूटेगी: उदय सामंत

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी का शर्मनाक हार हुई है। चुनाव में 165 सीटों पर जीत दर्ज करने का दम भरने वाला विपक्षी गठबंधन 50 का आंकड़ा भी नहीं छू पाया। पूरा विपक्ष 47 सीटों पर सिमट गया। विपक्षी गठबंधन में शिवसेना यूबीटी के 20 कांग्रेस के 16 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के 10 उम्मीदवार ही निर्वाचित हुए हैं। लेकिन अब शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों के टूटने का खतरा मंडराने लगा है।

सत्तारूढ़ महायुति के मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के करीबी मंत्री उदय सामंत का दावा है कि शिवसेना (यूबीटी) के पांच नवनिर्वाचित विधायक अभी से उनके संपर्क में आ गए हैं। इस तरह उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने शरद पवार के विधायकों पर डोरे डालना शुरू कर दिया है।

महाराष्ट्र में एक बार फिर से महायुति की सरकार का बनना तय हो गया है। विधानसभा चुनाव में महायुति के घटक दलों ने 80 प्रतिशत सीटें जीत कर विपक्षी गठबंधन की हालत पहले ही पतली कर दी है। उस पर विपक्षी गठबंधन के समक्ष अपने विधायकों को अपने साथ जोड़े रखने की चुनौती भी खड़ी हो गई है।

सामंत के दावे से साजिश के संकेत

सूत्रों का कहना है कि कमजोर हुए विपक्ष के कारण शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार गुट के कई नवनिर्वाचित विधायकों का आत्मविश्वास डगमगाया हुआ है। ज्यादा सीटें जीतने वाली सीएम शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित की एनसीपी अब यह दावा कर रही है कि जनता ने उन्हें ज्यादा सीटें देकर उनकी पार्टी के असली होने पर अपनी मुहर लगी दी है।

अब यही बहाना बनाकर एकनाथ शिंदे और अजित पवार की पार्टी उद्धव ठाकरे व शरद पवार के विधायकों को तोड़ने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसी आशंका भी जताई जा रही है कि जनता के काम के लिए फंड, मंत्री पद का प्रलोभन तथा जांच एजेंसियों का डर भी दिखाया जा सकता है। इस पर एकनाथ शिंदे के मंत्री उदय सामंत ने यह कह कर साजिश के संकेत दे दिए हैं कि उद्धव ठाकरे गुट के पांच विधायक रात से ही हमारे संपर्क में हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि दो-तीन को छोड़कर सभी विधायक हमारे साथ आ जाएंगे। इसी तरह अजित पवार की एनसीपी के पूर्व प्रवक्ता उमेश पाटिल का कहना है कि अजित ने मोहोल विधानसभा सीट पर अपनी पार्टी के उम्मीदवार यशवंत माने को हराने वाले शरद पवार गुट के उम्मीदवार राजू खरे को जीत की बधाई देने के लिए उमेश पाटिल को फोन किया था।

गौरतलब हो कि खरे की जीत में उमेश पाटिल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अजित गुट से यशवंत को टिकट दिए जाने का उमेश ने विरोध किया था। इसकी वजह से अजीत पवार ने अपनी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रहे उमेश को उनके गढ़ मोहोल में जाकर काफी भला-बुरा कहा था।

विधानसभा चुनाव में 22 महिलाएं बनीं विधायक

मुंबई। साल 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कुल 22 महिला उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है, जबकि साल 2019 के विधानसभा चुनाव में 24 महिलाएं विधायक बनी थीं। इसके बाद हुए उपचुनावों में महिला विधायकों की संख्या बढ़कर 27 हो गई थी। मगर इस चुनाव में महिला विधायकों की संख्या घटकर 22 हो गई है। नई गठित होने वाली 15वीं विधानसभा में महिला विधायकों का सदन में प्रतिनिधित्व केवल 6.06 प्रतिशत होगा। राज्य की 288 सीटों पर कुल 4136 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था, जिसमें 3771 पुरुष, 363 महिला और 2 किन्नर उम्मीदवारों का समावेश है। इस चुनाव में भाजपा ने सबसे अधिक 17 सीटों पर महिलाओं को उम्मीदवारी दी थी। इसमें से भाजपा की 15 महिलाएं चुनाव जीतकर विधायक बनी हैं, जबकि 2 महिला प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा है। राकांपा (अजित) की 5 महिला उम्मीदवारों में से 4 को जीत मिली है, जबकि एक महिला प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा है।

भाजपा के साथ सीधी लड़ाई में हारी कांग्रेस

75 में से 65 सीटें गंवाई

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी नीत महायुति के तूफान के समक्ष विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी रेत के महल की तरह ढह गया। इसमें सबसे ज्यादा दुर्गति देश की दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस की हुई। इस चुनाव में ज्यादातर सीटों पर बीजेपी बनाम कांग्रेस, शिवसेना बनाम शिवसेना और एनसीपी बनाम एनसीपी, ऐसा मुकाबला देखने को मिला। जिसमें सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति विपक्षी गठबंधन एमवीए पर भारी पड़ा।

खासकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच की सीधी लड़ाई में कांग्रेस को शर्मनाक शिकस्त झेलनी पड़ी 103 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस के 75 उम्मीदवारों का सामना बीजेपी के उम्मीदवारों से हुआ। इन मुकाबलों में कांग्रेस के 65 उम्मीदवार परास्त हो गए। कांग्रेस को सिर्फ 10 सीटों पर जीत मिली है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 132, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के 57, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की राकां के 41, शिवसेना यूबीटी के 20, कांग्रेस के 16 और शरद पवार की राकां के 10 उम्मीदवार ही जीत दर्ज करने में सफल हुए। ये परिणाम इसी साल मई-जून में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में उल्लेखनीय सफलता दर्ज करने वाले विपक्षी गठबंधन के लिए बेहद चौंकाने वाला सिद्ध हुआ है। लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी रही कांग्रेस का प्रदर्शन इस विधानसभा चुनाव में बेहद निराशाजनक रहा है। बालासाहेब थोरात, पृथ्वीराज चव्हाण, यशोमति ठाकुर, धीरज देशमुख जैसे कई कांग्रेस के दिग्गज इस मुकाबले में अपनी सीटें नहीं बचा सके।

नाना पटोले मामूली अंतर से जीते

वहीं सीएम बनने की तैयारी कर रहे पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले महज 208 वोटों के मामूली अंतर से जीत दर्ज कर पाए। नतीजतन कोंकण क्षेत्र में कांग्रेस का कोई विधायक नहीं बचा है। तो वहीं उत्तर महाराष्ट्र, पश्चिम महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में एक-एक विधायक हैं।

कांग्रेस को दूसरे क्रमांक के वोट

बता दें कि विधानसभा चुनाव में वोटों के मामले में कांग्रेस पार्टी बीजेपी के बाद दूसरी सबसे ज्यादा वोट लेने वाली पार्टी बनी है। बीजेपी को 1 करोड़ 72 लाख 93 हजार 650 वोट मिले हैं। बीजेपी के 132 उम्मीदवार जीते हैं। कांग्रेस दूसरे स्थान पर है। उसे 80 लाख 20 हजार 921 वोट मिले हैं। लेकिन उसके सिर्फ 16 विधायक ही जीते हैं। जबकि 79 लाख 96 हजार 930 वोट हासिल करने वाली सीएम शिंदे की शिवसेना के 57 उम्मीदवारों को जीत मिली है।

शिवसेना (यूबीटी) पांचवे नंबर पर

वहीं पांचवे क्रमांक पर 64 लाख 33 हजार 13 वोट पाने वाली शिवसेना (यूबीटी) के 20 और 6ठें क्रमांक पर 58 लाख 16 हजार 566 वोट पाने वाली अजित पवार की एनसीपी के 41 उम्मीदवार जीते हैं। इस चुनाव में 72 लाख 87 हजार 797 वोट लेकर चौथा क्रमांक हासिल करने वाली शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की हालत भी कांग्रेस जैसी ही रही है। उसके महज 10 विधायक ही निर्वाचित हुए हैं।

संजय राउत ने पूर्व CJI चंद्रचूड़ पर फोड़ा हार का ठीकरा

बोले- इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा नाम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने महाराष्ट्र में दल-बदल करने वाले नेताओं के मन से कानून का डर खत्म कर दिया था। संजय राउत ने दावा किया कि अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय नहीं करके चंद्रचूड़ ने दलबदल के लिए दरवाजे और खिड़कियां खुली रखीं।

शिवसेना (UBT) के नेता राउत का यह बयान राज्य विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी की करारी हार के बाद आया है, जहां महाविकास अघाड़ी (MVA) के तहत उसने 95 सीट पर चुनाव लड़ा था लेकिन केवल 20 सीट पर ही जीत हासिल कर सकी।

'दुखी हैं निराश नहीं'

संजय राउत ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के नतीजे पहले से तय थे। उन्होंने कहा कि अगर तत्कालीन पूर्व न्यायाधीश ने अयोग्यता याचिकाओं पर समय पर फैसला किया होता, तो परिणाम अलग होते। उन्होंने कहा कि हम दुखी हैं, लेकिन निराश नहीं हैं। हम लड़ाई को अधूरा नहीं छोड़ेंगे। मतों का विभाजन भी एक कारक था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) ने चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहरीले अभियान ने हम पर नकारात्मक प्रभाव डाला।

संजय राउत ने कहा कि नयी सरकार का शपथग्रहण समारोह पड़ोसी गुजरात में होना चाहिए। राउत ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग के प्रति संवेदना व्यक्त करने का समय आ गया है, जिसने धनबल के इस्तेमाल पर आंखें मूंद लीं। उन्होंने आरोप लगाया कि अदालतें लंबे समय से आईसीयू में हैं।

काले अक्षरों में लिखा जाएगा नाम

एमवीए के अन्य गठबंधन सहयोगियों का प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा। कांग्रेस ने 101 में से केवल 16 सीट पर जीत दर्ज की और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने 86 सीट में से केवल 10 सीट में जीत हासिल की। पत्रकारों के साथ बातचीत में संजय राउत ने आरोप लगाया कि उन्होंने (चंद्रचूड़) दलबदलुओं के मन से कानून का डर खत्म कर दिया। उनका नाम इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा।वर्ष 2022 में अविभाजित शिवसेना में विभाजन के बाद, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले पार्टी के गुट ने एकनाथ शिंदे के साथ दलबदल करने वाले पार्टी विधायकों की अयोग्यता पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। शीर्ष अदालत ने अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने का दायित्व विधानसभा अध्यक्ष पर छोड़ा था। विधानसभा अध्यक्ष ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को ''असली राजनीतिक दल'' घोषित किया था।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

अदानी के खिलाफ जांच हो

अपने व्यवसाय के तौर-तरीकों और विशेषकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी नज़दीकियों के चलते हमेशा विवादग्रस्त रहे गौतम अदानी, उनके भतीजे सागर अदानी, विनीत जैन (अदानी ग्रीन एनर्जी के पूर्व सीईओ) सहित 8 लोगों के खिलाफ एक अमेरिकी कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। ये सारे अदानी की कम्पनी से जुड़े लोग हैं। यह मामला अदानी एनर्जी की ओर से अमेरिका में सौर ऊर्जा अनुबन्धों से सम्बन्धित है जिस सिलसिले में अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि ठेका पाने के लिये भारतीय अधिकारियों को भारी-भरकम रिश्वत दी गयी। मजेदार बात यह है कि इस आरोप के लगने के कुछ ही घंटे पहले इस फर्म ने अमेरिकी निवेश ग्रेड बाजार में 20 वर्षीय ग्रीन बांड बेचा था। बाजार में इसे जबर्दस्त प्रतिसाद मिला था और इस इश्यू के लिये तीन गुना अधिक आवेदन प्राप्त हुए लेकिन मामला अदालत में जाने के बाद इस बॉन्ड को रद्द कर दिया गया। वैसे इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता क्योंकि मामला चलता रहेगा। देखना यह होगा कि कोर्ट इस पर क्या कार्रवाई करता है और इधर भारत में निवेशकों के हितों की रक्षा करने के लिये बनी सेक्यूरिटिज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) तथा सरकार कौन से कदम उठाती है। हालांकि इसकी सम्भावना नज़र नहीं आती क्योंकि सेबी हो या मोदी सरकार- पहले भी अदानी के हितों की रक्षा में सदैव तत्पर दिखाई दिये हैं। यह मामला 25 नवम्बर को शुरू होने जा रहे संसद के सत्र में विपक्ष जरूर उठायेगा। इसकी जांच के लिये संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग अभी से उठने लगी है। गुरुवार की सुबह जैसे ही यह सूचना भारत पहुंची, राजनीतिक व आर्थिक गलियारों में सनसनी फैल गयी। जहां लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर आरोप लगाया कि (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच और मोदी मिलकर जिस प्रकार अदानी को बचाते आये हैं वैसे ही अब भी बचायेंगे। उन्होंने कहा कि सेबी प्रमुख को तत्काल पद से हटाकर किसी निष्पक्ष व्यक्ति को बिठाना चाहिये और अदानी को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जाये। उन्होंने कहा कि वैसे इसकी उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि 'जब तक वे और मोदी एक हैं तब तक वे (अदानी) सेफ है।' उन्होंने कहा कि अदानी पर कार्रवाई को लेकर कांग्रेस के साथ इंडिया गठबन्धन है और संसद में इस मामले पर जेपीसी की मांग की जायेगी। बुधवार को न्यूयॉर्क में दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में से एक गौतम अदानी द्वारा अमेरिका में कार्यरत उनके एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान को ठेका दिलाने के लिये अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की घूस की पेशकश करने तथा इस तथ्य को निवेशकों से छिपाने का आरोपपत्र दाखिल किया गया। राहुल गांधी, अदानी समूह और रिलायंस समूह के मुकेश अंबानी द्वारा देश के व्यवसाय जगत पर एक तरह से कब्जा कर लेने के खिलाफ हमेशा से आवाज उठाते रहे हैं। पिछली लोकसभा में इस पर चर्चा के दौरान राहुल ने वह तस्वीर दिखलाई थी जिसमें मोदी अदानी के साथ और उनके विमान में सफर कर रहे थे। यहां तक कि उनके भाषणों के उन अंशों को स्पीकर ओम बिरला द्वारा हटा दिया जाता रहा। मौजूदा लोकसभा के प्रारम्भिक सत्र से ही इस विषय पर हंगामे होते रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा जब इन दोनों (अदानी-अंबानी) उद्योगपतियों के नामों का उल्लेख न करने की हिदायत दी गयी तो राहुल ने ए-1 और ए-2 कहे जाने की इज़जत मांगी थी। वैसे उससे पहले भी राहुल कह चुके हैं कि देश में पहले दो क्रमांकों पर क्रमशः अदानी और अंबानी हैं। मोदी तीसरे नंबर के व्यक्ति हैं और वे केवल ठेके दिलाने का काम करते हैं। वैसे आरोप बेबुनियाद नहीं है क्योंकि कई देशों में मोदी राष्ट्राध्यक्षों से कहकर अदानी समूह को ठेके दिला चुके हैं। बांग्लादेश में यह बात बाकायदा वहां की संसद में भी उठाई गयी थी। यदि देश की प्रतिष्ठा बचानी है तो भारत सरकार को मामले की जांचकर दोषियों के खिलाफ स्वयं कार्रवाई करनी चाहिये। हालांकि जैसा राहुल गांधी ने दावा किया है इसकी गुंजाइश ना के बराबर है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सुक्खू सरकार को राहत

केएस तोमर

हाल ही में, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने छह मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। यह निर्णय संविधान की गरिमा रक्षा में न्यायपालिका की अहम भूमिका को ही उजागर करता है। साथ ही शासन की राजकोषीय जिम्मेदारी, तथा कार्यपालिका की सीमाओं को दर्शाता है। राजनीतिक हितों साधने के लिये विधायकों को सुविधा देने को चुनौती देकर, यह फैसला एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के शुक्रवार को आए फैसले ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा नियुक्त छह मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्ति मामले में राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट निर्देश राज्य में हटाये गए छह मुख्य संसदीय सचिवों की विधानसभा सदस्यता को बरकरार रखा है। वे विधायक बने रहेंगे।

दरअसल, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों जैसे पंजाब-हरियाणा (2009), राजस्थान (2018), और गुवाहाटी (2017) के पिछले फैसलों के अनुरूप है, जिन्होंने इसी तरह मुख्य संसदीय सचिवों नियुक्तियों को अवैध ठहराया था। ये फैसले संविधान के 91वें संशोधन के तहत इन पदों पर रोक लगाने की पुष्टि करते हैं, जो राज्य विधानमंडल की कुल सीटों के 15 प्रतिशत तक मंत्रिपरिषद का आकार सीमित करता है।

हिमाचल सरकार के महाधिवक्ता अनूप कुमार रतन ने राज्य का पक्ष रखते हुए दावा किया कि सीपीएस नियुक्तियां विधायिका सदस्यता को समाप्त नहीं करेंगी। उन्होंने असम के सीपीएस मामलों का हवाला दिया, जिनमें नियुक्तियों को रद्द किया गया था, लेकिन विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया गया। वहीं, भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दायर कर सीपीएस को अयोग्य ठहराने की मांग की है।

मौजूदा सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पहली नहीं है जिसने ऐसी नियुक्तियां की हों। इससे पहले 2013 में भाजपा की धूमल सरकार और कांग्रेस की वीरभद्र सिंह सरकार ने भी सीपीएस नियुक्तियों का भरपूर उपयोग किया था। हालांकि, पूर्व जयराम ठाकुर सरकार ने ऐसी नियुक्तियां करने से परहेज किया।

इन पदों को रद्द कर, कोर्ट ने मंत्री प्रभाव के विस्तार की एक अनौपचारिक प्रथा को रोक दिया है। यह निर्णय अन्य राज्यों को भी अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकता है, खासकर जहां मुख्य संसदीय सचिवों नियुक्तियां आंतरिक पार्टी संघर्षों को प्रबंधित करने के लिए उपयोग की जाती हैं। दरअसल, सीपीएस को पदों से हटाने से प्रशासनिक संरचनाओं को सरल बनाया गया है, जिससे शक्ति के एक अनावश्यक विस्तार को समाप्त किया गया है। अब, शासन मंत्रियों और नौकरशाहों पर केंद्रित होगा, जिससे दक्षता और जवाबदेही बढ़ सकती है। निस्संदेह, सीपीएस नियुक्तियां राज्य पर वित्तीय बोझ डालती हैं। हिमाचल प्रदेश, जो पहले से ही बढ़ते कर्ज और सीमित केंद्रीय सहायता के चलते वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। अब राज्य सरकार के पास स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में खर्च करने के लिए धन को पुनः आवंटित करने का अवसर होगा। यह निर्णय आर्थिक सुधारवादियों और करदाताओं के लिए लाभकारी है, साथ ही अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला न्यायपालिका की संवैधानिक अखंडता को सुदृढ़ करता है। यह 91वें संशोधन की प्रासंगिकता की पुष्टि करता है और भविष्य की सरकारों को संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करने से हतोत्साहित करेगा। यह निर्णय राजनीतिक फिजूलखर्ची को सीमित कर, अन्य राज्यों में समान कानूनी चुनौतियों को प्रेरित कर सकता है। यह फैसला न्यायपालिका पर जनता के विश्वास को भी मजबूत करता है। जब हिमाचल प्रदेश को अपने कर्मचारियों को वेतन और सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में कठिनाई हो रही है, तो ऐसे में इन पदों को रद्द करने को एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा सकता है। दरअसल, मुख्य संसदीय सचिवों की अवधारणा लंबे समय से विवादास्पद रही है। अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से बनाए गए ये पद अक्सर कार्यपालिका और विधायिका के बीच शक्ति पृथक्करण को बाधित कर देते हैं। 91वें संशोधन ने मंत्रिपरिषद के आकार को सीमित करके इस तरह की विसंगतियों को दूर करने की कोशिश की गई है, जिसे राज्य सरकारें अक्सर नजरअंदाज करती हैं। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला संकेत देता है कि इस तरह की नियुक्तियां संवैधानिक उपायों को कमजोर करती हैं।

हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला अन्य राज्यों को भी सीपीएस जैसे पदों को संवैधानिक सीमाओं में रखने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिससे न्यायपालिका का सम्मान और पारदर्शी शासन प्रणाली सुनिश्चित हो सके। हालांकि, यह फैसला राज्य सरकारों के लिए असहज होते हुए भी, शासन को संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप परिभाषित करने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही लोकतंत्र में न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

जीवन मंत्र

व्यक्ति के जीवन को बनाने के साथ बिगाड़ भी सकती हैं दो चीजें

किसी भी चीज को ज्यादा महत्व देने से बचना चाहिए। क्योंकि अगर व्यक्ति इन दो मुद्दों शादी और नौकरी के प्रति अति गंभीर रहेगा। अगर आपने दोनों परीक्षाएं पार कर लीं वो जीवन में उत्तीर्ण हो गया।

आम आदमी अपने दिन का पूरा समय इन दो जगहों पर बिताता है वो है घर या फिर दफ्तर में। जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी मति हो जाती है। इसलिए जरूरी होता है कि व्यक्ति हमेशा अपने लिए सही वातावरण चुनना चाहिए, जिससे वह सही पथ पर चले।

आचार्य प्रशांत के अनुसार, एक व्यक्ति किस आधार पर विवाह करता है या फिर कैसी संगति चुनता है। यह महत्व की बात है कि वह व्यक्ति किसके साथ रह रहा है। आप चाहे विवाह करके रह रहे हो या फिर बिना विवाह करके अपनी जीवन व्यय कर रहा हो। ऐसे में व्यक्ति को जरूर हमेशा याद रखना चाहिए कि वह अपने जीवनसाथी का चयन किस आधार पर कर रहा है। हर एक छोटी बात जैसे कि वह व्यक्ति अब से लगातार मेरे कमरे में रहेगा? किसके शब्द लगातार पड़ने लग गए हैं तुम्हारे कानों में? इन चीजों को याद करके ही निर्णय लेना चाहिए।

क्योंकि इसी बात पर तुम्हारी जिंदगी या तो बन जाएगी या बिल्कुल बर्बाद हो जाएगी। आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि यहीं बात दफ्तर के लिए है कि दिन के आठ से दस घंटे आप किन लोगों की शक्लें देखते हैं या आर अपना बॉस बोलते हो, वो यूं ही है कोई सड़क का आदमी जो तुम्हारी जिंदगी पर अब अधिकार रखने लग गया है तो तुम बर्बाद हो जाओगे। यही बात दफ्तर के माहौल पर और धंधे की प्रकृति पर लागू होती है। तुम्हारी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है और तुम्हारे काम में किस तरह के लोग लगे हुए हैं? ये कोई छोटी बात है क्या? यही तो जिंदगी है। एक व्यक्ति दिनभर की रोजमर्रा वाली जिंदगी में क्या देख रहा है? क्या सुन रहे हो? क्या खा रहा है? क्या पी रहे हो? क्या सोच रहे हो? किस दिशा में कर्म कर रहे हो? कहां से तुम्हारी प्रेरणाएं आ रही हैं? हर एक चीज को व्यक्ति को साधारण लेना चाहिए।

किसी भी चीज को ज्यादा महत्व देने से बचना चाहिए। क्योंकि अगर व्यक्ति इन दो मुद्दों शादी और नौकरी के प्रति अति गंभीर रहेगा। अगर आपने दोनों परीक्षाएं पार कर लीं वो जीवन में उत्तीर्ण हो गया। ऐसे में व्यक्ति को हर काम में सफलता पाने के साथ तनावमुक्त जीवन जिएंगा।

जीवन ऊर्जा

लोपा डे वेगा : जन्म 25 नवंबर 1562 जन्म

प्रेम करना बलिदान है और आशा करना पीड़ा

लोपा डे वेगा का जन्म 25 नवंबर 1562 को हुआ था और उनका निधन 27 अगस्त 1635 को हुआ। वे स्पेन के महान नाटककार, कवि और उपन्यासकार थे, जिन्हें ?स्पेनिश शेक्सपियर? कहा जाता है। उन्होंने 1500 से अधिक नाटकों और सैकड़ों कविताओं की रचना की। उनकी रचनाएं मानवीय भावनाओं और सामाजिक मुद्दों को उजागर करती हैं।

जब सत्य बोला जाता है तो यह आत्मा को कष्ट देता है। प्रेम से बड़ा कोई गौरव नहीं और ईर्ष्या से बड़ा कोई दंड नहीं। भाग्य हमेशा उनकी मदद करता है जो कार्य करते हैं। जो आगे नहीं बढ़ता वह पीछे हटता है। प्रेम करना बलिदान है और आशा करना पीड़ा। हम दूसरों में वही प्यार करते हैं जिसकी कमी हमें खुद में महसूस होती है। शब्दों से ज्यादा क्रियाएं प्रभावशाली होती हैं। मौन मूर्खों का गुण है। जीवन क्या है एक उन्माद। जीवन क्या है एक भ्रम, एक परछाईं, एक कल्पना। सुख का कोई रास्ता नहीं है। सुख स्वयं ही रास्ता है। समय सबसे अच्छा लेखक है क्योंकि यह हमेशा सही अंत लिखता है। ईमानदारी को वाकपटुता की जरूरत नहीं। सपने हमें उस सत्य की ओर ले जाते हैं जिससे हम डरते हैं। प्रेम एक ऐसी आग है जो बिना दिखे जलती है। साहस वह रोशनी है जो हमें तूफानों में मार्ग दिखाती है। आत्मा आशा पर जीवित रहती है जैसे शरीर रोटी पर। हर प्रेमी भीतर से एक सैनिक होता है। सच्चा श्रेष्ठता केवल दयालुता में होती है।

प्रेम करना और मौन रहना सबसे बड़ा दर्द है। कोई भी जंजीर मानव आत्मा को कैद नहीं कर सकती। महान कार्य साहस से होते हैं, संकोच से नहीं। हृदय के पास ऐसी वजहें होती हैं जो बुद्धि नहीं समझ सकती। एक कवि जन्म लेता है, बनाया नहीं जाता। प्रेम एक सूक्ष्म चोर है जो हमारी इंद्रियों को चुरा लेता है। आशा तूफानी समुद्र में आत्मा का लंगर है। अगर और सुधार चाहिए तो बताएं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

जो कृष्ण को समझ लेगा वह कभी अवसाद में नहीं जाएगा

कभी सूरदास ने एक स्वप्न देखा था, कि रुक्मिणी और राधिका मिली हैं और एक दूजे पर निछावर हुई जा रही हैं। कैसा होगा वह क्षण जब दोनों ठकुरानियाँ मिली होंगी। दोनों ने प्रेम किया था। एक ने बालक कन्हैया से, दूसरे ने राजनीतिज्ञ कृष्ण से। एक को अपनी मनमोहक बातों के जाल में फँसा लेने वाला कन्हैया मिला था, और दूसरे को मिले थे सुदर्शन चक्र धारी, महायोद्धा कृष्ण। कृष्ण राधिका के बाल सखा थे, पर राधिका का दुर्भाग्य था कि उन्होंने कृष्ण को तात्कालिक विश्व की महाशक्ति बनते नहीं देखा। राधिका को न महाभारत के कुचक्र जाल को सुलझाते चतुर कृष्ण मिले, न पौंड्रक-शिशुपाल का वध करते बाहुबली कृष्ण मिले। रुक्मिणी कृष्ण की पत्नी थीं, महारानी थीं, पर उन्होंने कृष्ण की वह लीला नहीं देखी जिसके लिए विश्व कृष्ण को स्मरण रखता है। उन्होंने न माखन चोर को देखा, न गौ-चरवाहे को। उनके हिस्से में न बाँसुरी आयी, न माखन। कितनी अद्भुत लीला है, राधिका के लिए कृष्ण कन्हैया था, रुक्मणी के लिए कन्हैया कृष्ण थे। पत्नी होने के बाद भी रुक्मणी को कृष्ण उतने नहीं मिले कि वे उन्हें तुम कह पातीं। आप से तुम तक की इस यात्रा को पूरा कर लेना ही प्रेम का चरम पा लेना है। रुक्मणी कभी यह यात्रा पूरी नहीं कर सकीं।

राधिका की यात्रा प्रारम्भ ही 'तुम' से हुई थीं। उन्होंने प्रारम्भ ही चरम से किया था। शायद तभी उन्हें कृष्ण नहीं मिले।

कितना अजीब है न! कृष्ण जिसे नहीं मिले, युगों युगों से आजतक उसी के हैं, और जिसे मिले उसे मिले ही नहीं। तभी कृष्ण को पाने का प्रयास मत कीजिये। पाने का प्रयास कीजियेगा तो कभी नहीं मिलेंगे। बस प्रेम कर के छोड़ दीजिए, जीवन भर साथ निभाएंगे कृष्ण। कृष्ण इस सृष्टि के सबसे अच्छे मित्र हैं। राधिका हों या सुदामा, कृष्ण ने मित्रता निभाई तो ऐसी निभाई कि इतिहास बन गया।

राधा और रुक्मिणी जब मिली होंगी तो रुक्मिणी राधा के वस्त्रों में माखन की गंध ढूंढती होंगी, और राधा ने रुक्मिणी के आभूषणों में कृष्ण का बैभव तलाशा होगा। कौन जाने मिला भी या नहीं। सबकुछ कहाँ मिलता है मनुष्य को... कुछ न कुछ तो छूटता ही रहता है। जितनी चीज़ें कृष्ण से छूटीं उतनी तो किसी से नहीं छूटीं। कृष्ण से उनकी माँ छूटी, पिता छूटे, फिर जो नंद-यशोदा मिले वे भी छूटे। संगी-साथी छूटे। राधा छूटीं। गोकुल छूटा, फिर मथुरा छूटी। कृष्ण से जीवन भर कुछ न कुछ छूटता ही रहा। कृष्ण जीवन भर त्याग करते रहे। हमारी आज की पीढ़ी जो कुछ भी छूटने पर टूटने लगती है, उसे कृष्ण को गुरु बना लेना चाहिए। जो कृष्ण को समझ लेगा वह कभी अवसाद में नहीं जाएगा। कृष्ण आनंद के देवता है। कुछ छूटने पर भी कैसे खुश रहा जा सकता है, यह कृष्ण से अच्छा कोई सिखा ही नहीं सकता। गुरुज्ञान का अथाह सागर हैं श्री कृष्ण।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

शख्सियत सुरिंदर कौर

पंजाब की बुलबुल

सुरिंदर कौर, जिन्हें 'पंजाब की बुलबुल' कहा जाता है, भारतीय संगीत जगत की एक प्रतिष्ठित गायिका थीं। उनका जन्म 25 नवंबर 1929 को लाहौर (अब पाकिस्तान) में एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। संगीत उनके जीवन का हिस्सा बचपन से ही था, और उनकी बहन प्रकाश कौर के साथ उन्होंने पंजाबी लोकगीतों को एक नई ऊंचाई दी।

1943 में उन्होंने अपना पहला गाना ऑल इंडिया रेडियो लाहौर में रिकॉर्ड किया, जिसने उन्हें रातोंरात प्रसिद्धि दिलाई। यह गाना था 'मावां ते ढेयाँ रल बिठियां', जो आज भी पंजाबी संस्कृति का प्रतीक है। विभाजन के बाद उनका परिवार भारत आ गया, लेकिन उन्होंने संगीत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखी। सुरिंदर कौर ने पंजाबी लोकगीतों के साथ-साथ ग़ज़ल, ठुमरी और शास्त्रीय संगीत में भी अपनी पहचान बनाई।

उनकी आवाज़ में गहराई और आत्मीयता थी, जिसने हर वर्ग के श्रोताओं का दिल जीता। सुरिंदर कौर ने 1,200 से अधिक गीत गाए, जिनमें से अधिकांश पंजाबी लोकगीत, शादी के गीत, विरह के गीत और धार्मिक भजन थे। उनकी बहन प्रकाश कौर के साथ गाए गीत, जैसे 'लट्टे दी चादर' और 'सुहागन बनेयां', आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं।

सुरिंदर कौर ने न केवल पंजाबी संस्कृति को संजोया, बल्कि उसे विश्व स्तर पर पहुंचाया। उन्होंने दुनिया भर में अपने संगीत कार्यक्रमों के जरिए भारतीय लोकसंगीत की सुंदरता का प्रचार किया। उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

23 जून 2006 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनके गीत आज भी जीवित हैं और हर पीढ़ी को प्रेरणा देते हैं। सुरिंदर कौर का जीवन सादगी, मेहनत और कला के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उनकी आवाज़ ने न केवल संगीत प्रेमियों को मोहित किया, बल्कि पंजाबी संस्कृति को अमर बना दिया। उनका नाम भारतीय संगीत इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।

सक्सेस मंत्र

सही समय के इंतजार में न रहें

सफल लोगों को देखकर अक्सर यह ख्याल कई लोगो के मन में आता होगा कि आखिर ये लोग जीवन में ऐसा क्या करते हैं, जिसकी वजह से यह अपने जीवन में इतनी सफलता हासिल कर पाए हैं। अगर आप भी इन लोगों की लिस्ट में शामिल हैं तो आपको बता दें, किसी व्यक्ति को कामयाबी यूं ही हासिल नहीं होती, इसके लिए उसे कुछ नियमों का सख्ती से पालन करना होता है। इन नियमों को अपनी आदत बनाने से ही व्यक्ति कामयाबी की ऊंचाइयों को छू सकता है। आइए जानते हैं सफलता हासिल करने के ऐसे ही कुछ नियमों के बारे में। हर सफल व्यक्ति समय की इज्जत करता है। किसी भी काम में लेटलतीफी उसके नेचर में नहीं होती है। वह इस बात को बखूबी जानता है कि समय की कद्र नहीं करने पर व्यक्ति को हमेशा नुकसान उठाना पड़ता है। देरी से किया गया काम कामयाबी की राह को मुश्किल बना सकता है। ऐसे में अगर आप भी जीवन में सफलता हासिल करना चाहते हैं तो हमेशा समय के पाबंद रहना सीखें। आत्मविश्वास की कमी होने पर व्यक्ति कोई भी काम अच्छी तरह नहीं कर सकता है। खुद को सफल बनाने के लिए आपके भीतर आत्मविश्वास का मजबूत होना बेहद जरूरी है। सफल लोगों की तरह खुद को किसी से कम न समझें, बल्कि खुद को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। अपनी गलतियों को स्वीकार करके उनसे सबक लेना कामयाबी की तरफ बढ़ाया गया एक कदम है। ध्यान रखें, गलतियां करने से नई सीख मिलती है ताकि उस गलती को दोबारा करने से बचा जा सके। ऐसा करने से व्यक्ति अपनी कामयाबी का रास्ता जल्दी तय कर लेता है।

सफल व्यक्ति कभी भी सही मौके का इंतजार नहीं करते हैं बल्कि सफल होने के लिए खुद से मौका तलाश करते हैं। अगर आप भी खुद को सफल देखना चाहते हैं तो जो काम करना है, उसकी योजना बनाकर उस पर काम करना शुरू कर दें, इस बात का इंतजार न करें कि अच्छा समय आएगा तब यह काम करेंगे। आपकी यह सोच आपके हाथ से समय निकाल देगी और आप बाकी लोगों से पिछड़ते चले जाएंगे। हर सफल व्यक्ति शरीर और मस्तिष्क को सेहतमंद बनाए रखने के लिए व्यायाम को अपने रूटिन में जरूर शामिल रखता है। शारीरिक तौर पर मजबूत होने पर ही व्यक्ति अपने लक्ष्यों को उत्साह के साथ पूरा कर पाता है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

प्रीति और आयुष्मान योग में मनाई जायेगी उत्पन्ना एकादशी

हिंदू धर्म में उत्पन्ना एकादशी का अत्यधिक महत्व होता है। हर साल मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के ठीक अगले दिन उत्पन्ना एकादशी मनाई जाती है। 26 नवंबर को मार्गशीर्ष (अगहन) महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी है। इसे उत्पन्ना एकादशी कहते हैं। एकादशी पर भगवान विष्णु के लिए व्रत-उपवास और पूजा करने की परंपरा है। पंचांग के अनुसार, अगहन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 25 नवंबर, सोमवार की रात 01:02 मिनिट से शुरू होगी, जो अगले दिन यानी 26 नवंबर, मंगलवार की रात 03:47 मिनिट तक रहेगी। चूंकि 26 नवंबर को एकादशी तिथि सूर्योदय के समय रहेगी, इसलिए ये व्रत इसी दिन किया जाएगा। इस दिन प्रीति और आयुष्मान योग रहेंगे। अगहन यानी मार्गशीर्ष मास को श्रीकृष्ण का स्वरूप माना जाता है। इस वजह से एकादशी पर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की पूजा करने का शुभ योग बन रहा है। एकादशी पर भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा के साथ ही व्रत भी जरूर करें। व्रत करना चाहते हैं तो सुबह पूजा करते समय व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद दिनभर निराहार रहें यानी अन्न ग्रहण न करें। भूखे रहना मुश्किल हो तो फलाहार कर सकते हैं, दूध और फलों का रस पी सकते हैं। धर्म-कर्म की शुरुआत गणेश पूजा के साथ करनी चाहिए। इस एकादशी के संबंध में मान्यता है कि भगवान विष्णु के लिए की गई पूजा से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। अगर किसी खास इच्छा के लिए एकादशी व्रत और विष्णु पूजा की जाती है तो उसमें भी सफलता मिल सकती है। एकादशी पर किसी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए, स्नान के बाद नदी किनारे ही दान-पुण्य जरूर करें। उत्पन्ना एकादशी के एक दिन पहले यानी दशमी तिथि को शाम के भोजन के बाद अच्छी तरह दातुन करें ताकि अन्न का अंश मुंह में न रह जाएं। इसके बाद कुछ भी नहीं खाएं, न अधिक बोलें। एकादशी की सुबह जल्दी उठकर नहाने के बाद व्रत का संकल्प लें। धूप, दीप, नैवेद्य आदि सोलह चीजों से भगवान विष्णु या श्री कृष्ण की पूजा करें और रात को दीपदान करें। रात में सोएं नहीं। इस व्रत में रातभर भजन-कीर्तन करने का विधान है। इस व्रत के दौरान जो कुछ पहले जाने-अनजाने में पाप हो गए हों, उनके लिए माफी मांगनी चाहिए। अगले दिन सुबह फिर से भगवान की पूजा करें। ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान देने के बाद ही खुद खाना खाएं।

शुभ योग

एकादशी पर सर्वप्रथम प्रीति योग का निर्माण हो रहा है। इसके बाद आयुष्मान योग का संयोग बन रहा है। इसके अलावा, शिववास योग का भी निर्माण हो रहा है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही घर में सुख, समृद्धि एवं खुशियों का आगमन होगा।

स्कंद पुराण में है एकादशी व्रत का जिक्र

हिन्दी पंचांग में एक वर्ष में कुल 24 एकादशियां आती हैं और जिस साल अधिक मास रहता है, उस साल में कुल 26 एकादशियां हो जाती हैं। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में सालभर की सभी एकादशियों का महत्व बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने पांडव पुत्र युधिष्ठिर को एकादशियों के बारे में जानकारी दी थी। जो भक्त एकादशी व्रत करते हैं, उन्हें भगवान श्रीहरि की कृपा मिलती है। नकारात्मक विचार दूर होते हैं। अक्षय पुण्य मिलता है। घर-परिवार में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। एकादशी पर भगवान विष्णु के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करना चाहिए। भगवान विष्णु के साथ ही देवी लक्ष्मी का भी अभिषेक करें। दोनों देवी-देवता को पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। फूलों से श्रृंगार करें। तुलसी के पत्तों के साथ मिठाई और मौसमी फलों का भोग लगाएं।

बाल गोपाल का अभिषेक

एकादशी पर व्रत-उपवास करना चाहते हैं तो इस दिन सुबह स्नान के बाद भगवान गणेश की पूजा करें। गणेश जी को जल चढ़ाएं। वस्त्र और फूलों से श्रृंगार करें। चंदन, दूर्वा, हार-फूल अर्पित करें। लड्डू का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। गणेश पूजा के बाद श्रीकृष्ण का अभिषेक करें। बाल गोपाल का अभिषेक सुगंधित फूलों वाले जल से करें। इसके लिए पानी में गुलाब, मोगरा जैसे सुंगधित फूलों की पंखुड़ियां डालें और इस जल से भगवान का अभिषेक करें। अभिषेक दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर करें। बाल गोपाल को पीले चमकीले वस्त्र पहनाएं। फूलों से श्रृंगार करें। मोर पंख के साथ मुकूट पहनाएं। पूजा में गौमाता की मूर्ति भी जरूर रखें। दूध, दही, घी, शहद और मिश्री मिलाकर पंचामृत बनाएं और चांदी के बर्तन में भरें और तुलसी के साथ भोग लगाएं। माखन-मिश्री भी अर्पित करें। भगवान को कुमकुम, चंदन, चावल, अबीर भी अर्पित करें। ताजे फल, मिठाइयां चढ़ाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। पूजा के बाद भगवान से क्षमा याचना करें। प्रसाद बांटें और खुद भी लें। पूजा में श्रीकृष्ण के मंत्र कृं कृष्णाय नमः का जप करते रहना चाहिए। इस तरह भगवान बाल गोपाल का अभिषेक किया जा सकता है।

कैसे हुई एकादशी की उत्पत्ति

मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि को भगवान विष्णु से एकादशी तिथि प्रकट हुईं यानी उत्पन्न हुई थीं। इसलिए इस दिन उत्पन्ना एकादशी का व्रत किया जाता है। इसे उत्पत्तिका, उत्पन्ना और प्राकट्य एकादशी भी कहा जाता है। पद्म पुराण के मुताबिक श्रीकृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर को इस एकादशी की उत्पत्ति और इसके महत्व के बारे में बताया था। व्रतों में एकादशी को प्रधान और सब सिद्धियों को देने वाला माना गया है।

कर सकते हैं ये शुभ काम

एकादशी पर शिव पूजा भी करनी चाहिए। शिवलिंग पर जल और दूध चढ़ाएं। बिल्व पत्र, हार-फूल, चंदन से श्रृंगार करें। किसी मंदिर में शिवलिंग के पास दीपक जलाएं और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। बाल गोपाल का अभिषेक करें। तुलसी के साथ माखन-मिश्री का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं और आरती करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं ये चीजें

- **मेष राशि :** लड्डू का भोग लगाना चाहिए।
- **वृषभ राशि :** पंचामृत चढ़ाना चाहिए।
- **मिथुन राशि :** हरे रंग का वस्त्र अर्पित करना चाहिए।
- **कर्क राशि :** खीर का भोग लगाना चाहिए।
- **सिंह राशि :** लाल रंग के वस्त्र को चढ़ाना चाहिए।
- **कन्या राशि :** मोर का पंख चढ़ाना चाहिए।
- **तुला राशि :** कामधेनु गाय की प्रतिमा अर्पित करनी चाहिए।
- **वृश्चिक राशि :** गुड़ का भोग लगाना चाहिए।
- **धनु राशि :** हल्दी का तिलक लगाना चाहिए।
- **मकर राशि :** कमल के फूल चढ़ाने चाहिए।
- **कुंभ राशि :** शमी के पत्ते चढ़ाने चाहिए।
- **मीन राशि :** चंदन का तिलक लगाना चाहिए।

बेंगलुरु के प्रसिद्ध मंदिर में शांत स्वरुप में हैं मां काली, आप भी कर आएं दर्शन

इस मंदिर में भले ही मां काली शांत रूप में हैं, लेकिन यहां पर मंत्र, वशीकरण, जादू और नजर दोष का इलाज होता है। माना जाता है कि पूर्णिमा और अमावस्या के दिन लोग अपनी समस्याओं के निपटारे के लिए खास तौर पर पूजा करवाते हैं।अमावस्या के अलावा शुक्रवार और मंगलवार के दिन मंदिर में आना शुभ माना जाता है।

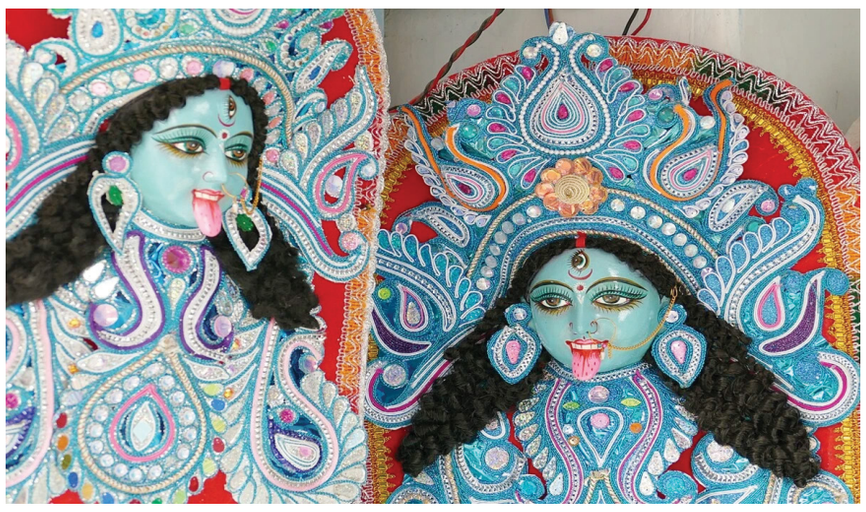

बेंगलुरू में कई ऐसे मंदिर हैं, जो पूरे भारत में सबसे ज्यादा फेमस और खास माने जाते हैं। बेंगलुरू को सिलिकॉन सिटी के नाम से जाना जाता है। इस शहर में बहुत सारी इमारतें और पार्क हैं। बेंगलुरू की ऐतिहासिक जगहें देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी फेमस हैं। बेंगलुरु में एक ऐसा मंदिर है, जो मां काली को समर्पित है। वैसे तो आपने मां काली को समर्पित तमाम मंदिर देखे होंगे, लेकिन बेंगलुरू का यह मंदिर सबसे खास है।

और जानें

मां काली को समर्पित मंदिरों में काली मां की प्रतिमा या तस्वीरें क्रोध वाली देखी होंगी। अक्सर मां काली अपनी जीभ निकाले गुस्से से देख रही हैं। लेकिन बता दें कि बेंगलुरु के इस मंदिर में मां काली का शांत स्वरूप देखने को मिलेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बेंगलुरु के मां काली को समर्पित इस खास मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं।

मां काली का अनोखा मंदिर

मां काली को समर्पित इस मंदिर में मां सौम्य रूप में विराजमान हैं। यह मंदिर गविपुरम गुट्टाहल्ली में केम्पमबुधि झील के किनारे एक पहाड़ी पर है। मां काली के दर्शन के लिए पहाड़ी पर चढ़ाई करनी पड़ती है। वहीं इस मंदिर में मां काली का रूप एक चट्टान पर दिखेगा। क्योंकि चट्टान पर देवी काली के स्वरूप को उकेरा गया है। देखने से आपको लगेगा कि यहां पर मां काली की मूर्ति चट्टान काटकर बनाई गई है। इस मूर्ति को करीब 3 फीट ऊंचा बनाया गया है। इस मंदिर में मां काली मुस्कुराते हुए शांत रूप में नजर आती हैं। यह भारत के फेमस मंदिरों में से एक है।

कैसे पहुंचे मंदिर

बता दें कि इस मंदिर में भले ही मां काली शांत रूप में हैं, लेकिन यहां पर मंत्र, वशीकरण, जादू और नजर दोष का इलाज होता है। माना जाता है कि पूर्णिमा और अमावस्या के दिन लोग अपनी समस्याओं के निपटारे के लिए खास तौर पर पूजा करवाते हैं। अमावस्या के अलावा शुक्रवार और मंगलवार के दिन मंदिर में आना शुभ माना जाता है। वहीं अभिषेक जल प्राप्त करने के लिए मंदिर के अंदर रहने का समय सुबह 10:30 से 11:30 बजे तक है।

बस से - आप केन्गेरी बस टर्मिनल से यहां आसानी से पहुंच सकते हैं। यहां से मंदिर पहुंचने में आपको करीब 15 से 20 मिनट का समय लग सकता है।

समय - सुबह 06:30 से शाम 08:30 मिनट तक। यह बेंगलुरू के फेमस मंदिरों में से एक है।

कब से शुरु हो रहा है खरमास?

जानें तिथि, उपाय और इसका महत्व

साल में दो बार खरमास आता है। सनातन धर्म में खरमास का काफी महत्व होता है। हिंदू कैलेंडर के मुताबिक, यह 30 दिनों तक चलता है और इन दिनों में शुभ कार्य वर्जित होते हैं। जैसे कि शादी, सगाई, गृहप्रवेश समारोह या अन्य पवित्र अनुष्ठान आदि नहीं होते हैं। इस अवधि में भगवान सूर्य की पूजा करना शुभ होता है। भक्तों को सूर्य को जल चढ़ाने, वैदिक मंत्रों का जाप करने और आध्यात्मिक अभ्यास करना जरुरी होता है। आइए आपको खरमास के बारें इसकी जानकारी बताते हैं।

कब शुरु होगा खरमास?

पंचांग के अनुसार, खरमास 15 दिसंबर, रविवार को रात 10.19 बजे शुरु होगा। जब सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेगा। खरमास की यह अवधि मंगलवार, 14 जनवरी 2025 को समाप्त होती है। इस दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं होता है। इसके बजाय सूर्य देव की पूजा करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए सबसे बढ़िया अवधि है।

खरमास के दौरान अनुष्ठान और पूजा

सुबह की दिनचर्या

खरमास के समय भक्तों को ब्रह्म मुहूर्त के दौरान उठना चाहिए। इसके बाद स्नान करना चाहिए।

सूर्य देव को जल चढ़ाएं

स्नान के बाद ही आप उगते हुए सूर्य को जल चढ़ाएं। जल में लाल सिंदूर, चावल, गुड़ या लाल फूल जैसी सामग्री होनी चाहिए।

प्रार्थना और आरती करें

इसके बाद सूर्य देव से प्रार्थना करें और वैदिक मंत्रों का जाप करें। सूर्य चलीसा का पाठ करें। इसके साथ ही धूप, दीप और कपूर जलाएं और भगवान सूर्य की आरती करें।

प्रसाद अर्पित करें

सूर्य देव को भोग के रुप में फल और मिठाइयां जरुर अर्पित करें।

खरमास के दिन इन मंत्रों करें जाप

- ॐ ह्रीं घृणिः सूर्य आदित्यः क्लीं ॐ
- सूर्य देव का गायत्री का मंत्र- ॐ आदित्याय विद्महे दिवाकराय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात्।
- मनोवांछित फल प्राप्त करने के लिए इस मंत्र का जाप करें। ॐ ह्रीं ह्रीं सूर्याय सहस्रकिरणराय मनोवांचित फलं देहि देहि स्वाहा।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृष परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा।

मिथुन आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। यात्रा लाभदायक रहेगी।

कर्क आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

सिंह नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

कन्या बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है।

तुला स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। जोखिम न उठाएं।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

धनु रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। रोजगार मिलेगा।

मकर मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी।

लक्ष्मी योग हथेली पर बनने वाला एक विशेष योग

लक्ष्मी योग हथेली पर बनने वाला एक विशेष योग है ऐसा तब होता है जब हथेली का कई योग एक साथ मिलता है होता है। जो धन देवी लक्ष्मी का प्रतीक है। यह योग कई रूपों में बन सकता है।

त्रिभुज योग

हथेली के बुध पर्वत (छोटी उंगली के नीचे का भाग) पर त्रिभुज का निर्माण लक्ष्मी योग का संकेत देता है। माना जाता है कि ऐसे योग हो तो जातक के एक से अधिक मकान बन सकते हैं। कमल योगः

हथेली के केंद्र में कमल के फूल जैसा चिह्न बनना भी लक्ष्मी योग का प्रतीक माना जाता है।

शंख योग

हथेली के शुक्र पर्वत (अंगूठे के नीचे का भाग) पर शंख जैसा चिह्न बनना भी लक्ष्मी योग का संकेत हो सकता है।

अंगूठे का विशेष चिह्न

अगर अंगूठे के नाखून के नीचे त्रिकोण या रेखा का चिह्न हो तो यह भी लक्ष्मी योग का प्रतीक माना जाता है।

कैसे बदल सकती है किस्मत?

जिनके हाथ में त्रिभुज योग, कमल योग, शंख योग आदि एक साथ होते हैं तो उसे लक्ष्मी योग माना जाता है। ऐसे व्यक्तियों के जीवन में धन, समृद्धि, और ऐश्वर्य प्राप्त होता है। मान्याताओं के अनुसार ऐसे व्यक्ति को बहुत कम मेहनत में ही अधिक धन की आमदनी होती है। लक्ष्मी योग से युक्त व्यक्ति भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेता है और जीवन में उच्च पद प्राप्त करता है। इन व्यक्तियों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी प्रचुर मात्रा में होती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि लक्ष्मी योग का प्रभाव व्यक्ति की जन्मकुंडली और अन्य हस्तरेखा चिन्ह पर भी निर्भर करता है। अगर आपके हाथ में लक्ष्मी योग है तो यह आपके लिए शुभ संकेत।

प्रियंका जैन
9769994439

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

खबर संक्षेप

कानपूर के युवक ने देश का नाम किया रोशन

कानपुर। कानपूर शहर के रहने वाले शेखर बिजलानी नाम के युवक ने पूरे देश का नाम रोशन करते हुए इतिहास रच दिया है। शेखर ने नेपाल के माउंट मेरा के 21,800 फीट की चोटी पर तिरंगा फहराकर देश का मान बढ़ाया है। बताया जा रहा है की 18 दिनों की चढ़ाई करने के बाद उन्होंने इस उपलब्धि को हासिल किया है। ये उपलब्धि उन्होंने 20 तारीख को हासिल की है। उनके घर आने के बाद उन्हें बधाई देने के लिए लोगों का सिलसिला अब भी जारी है। शेखर ने साल 2023 के मई में एवरेस्ट और कंचनजंगा बेस कैंप पर 17 हजार हजार फीट की उंचाई के लक्ष्य को पूरा किया था। इससे पहले साल 2022 में एवरेस्ट बेस कैंप की 18 हजार फीट की ऊंचाई पर चढ़ाई की थी। उस समय शेखर की उम्र 21 साल की थी। अब शेखर ने 18 दिनों के कठिन सफ़र को पूरा करते हुए इस मुकाम को हासिल किया है। बताया जा रहा है की इस 40 लोगों के ग्रुप में केवल शेखर ही भारत से अकेला था। बाकी सभी लोग यूरोप से आएं हुए थे। कई लोग ऑक्सीजन की कमी और ज्यादा ठंड के कारण पीक पर नहीं पहुंच पाएं। लेकिन शेखर ने ये मुकाम हासिल कर कानपुर और देश का नाम रोशन किया है।

पुलिस ने नहीं की फायरिंग, अचानक आई भीड़: कमिश्नर

मुरादाबाद। यूपी के संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान रविवार को खूब बवाल हुआ। हिंसा में तीन लोगों की मौत भी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि तीनों मृतकों का नाम नोमान, बिलाल और नईम है। मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने बताया कि आखिर हिंसा कैसे भड़की। आंजनेय कुमार सिंह ने बताया कि सर्वे के लिए इंतजामिया कमेटी को शनिवार को बुलाया गया था। रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे सर्वे शुरू हुआ। 10 बजे ये पूरा भी हो गया। अधिकारी ने बताया कि उस वक्त तक टीम पर कोई पथराव भी नहीं हुआ था। आंजनेय कुमार ने बताया कि हमारी इंटेलिजेंस ने जो इनपुट दिए थे उससे ज्यादा पुलिस बल को तैनात किया गया था।

अधिकारी ने बताया कि मस्जिद से जैसे ही ऐलान हुआ कि सर्वे पूरा हो गया है तभी पत्थरबाजी होने लगी। फॉयरिंग होने लदी। अचानक भीड़ आ गई। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि हिंसा में कोई नमाजी नहीं था। 10 बजे तक सब नार्मल था। नखासा थाना इलाके में ज्यादा पत्थरबाजी हुई। अधिकारी ने बताया कि अब हालात बेहतर हैं और मामले की मैजिस्ट्रीयल जांच की जाएगी।

नोएडा में भीषण सड़क हादसा

जगद्गुरु कृपालु महाराज की बड़ी बेटी का निधन

एजेंसी । नोएडा

नोएडा में रविवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यमुना एक्सप्रेस पर तेज रफ्तार डंपर ने आगे चल रही दो कारों को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार जगदगुरु कृपालु महाराज की बड़ी बेटी डॉ. विशाखा त्रिपाठी की मौत हो गई। वह वृंदावन के प्रेम मंदिर और प्रतापगढ़ के मनगढ़ भक्ति धाम की अध्यक्ष थीं। हादसे में महाराज की दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हुई हैं। उनका इलाज दिल्ली के अपोलो अस्पताल में चल रहा है। हादसा ग्रेटर नोएडा के दनकौर इलाके में हुआ। हादसे का शिकार हुईं डॉ। विशाखा त्रिपाठी अपनी दो बहनों श्यामा और कृष्ण त्रिपाठी के साथ कार के जरिए वृंदावन से दिल्ली जा रहीं थीं। उनकी दिल्ली के एयरपोर्ट से सिंगापुर की फ्लाईट थी। जैसे ही उनकी कार यमुना एक्सप्रेस पर दनकौर के समीप पहुंची तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे डंपर ने उन्हें रौंद दिया। अनियंत्रित डंपर एक अन्य दूसरी कार को भी रौंदता चला गया। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में पांच अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनमें महिलाएं और कार ड्राइवर शामिल हैं।

वृंदावन में होगा अंतिम संस्कार

हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में फंसे घायलों को बाहर निकाला। पहले उन्हें कैलाश अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। गंभीर घायलों को दिल्ली के अपोलो अस्पताल ले जाया गया। जिनमें जगदगुरु कृपालु महाराज की दोनों घायल बेटियां भी शामिल हैं। पुलिस ने मृतक डॉ। विशाखा त्रिपाठी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जगद्गुरु कृपालु परिषद ने घटना की पुष्टि करते हुए शोक जताया। उनके द्वारा बताया गया कि परिषद की अध्यक्ष डॉ . विशाखा त्रिपाठी का अंतिम संस्कार वृंदावन में किया जाएगा।

दो कारों में मारी टक्कर

घटना के मुताबिक, जगद्गुरु कृपालु महाराज की तीनों बेटियां दिल्ली के जाने के लिए वृंदावन से निकलीं थीं। एक कार में बड़ी बेटी डॉक्टर विशाखा त्रिपाठी बैठीं थीं। वहीं, दूसरी कार में उनकी दो बहनें श्यामा त्रिपाठी और कृष्ण त्रिपाठी सवार थीं। अनियंत्रित डंफर ने दोनों कारों को रौंद दिया। जिसमें 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने वृंदावन के प्रेम मंदिर की अध्यक्ष डॉक्टर विशाखा त्रिपाठी को मृत घोषित कर दिया।

जायदाद को लेकर झड़प, भड़के पिता ने बेटे को मार डाला

बस्ती। बस्ती में एक हैरान करने वाली घटना हुई है। यहां एक 32 साल के युवक की पीट-पीटकर हत्या हुई है। यह वारदात किसी और ने नहीं, बल्कि उस युवक के पिता और बड़े भाई ने अंजाम दिया है। वारदात से पहले सभी लोग घर में दारू-मुर्गा की पार्टी कर रहे थे। खाने पीने के दौरान ही पिता पुत्र में जायदाद को लेकर झड़प हो गई। इसी दौरान युवक के पिता ने बड़े बेटे के साथ मिलकर मारपीट शुरू कर दी।मृतक की पत्नी का आरोप है कि वह अपने पति को बचाने के लिए चीखती चिल्लाती रह गई, लेकिन आरोपी उसकी मौत होने तक लात घूंसे बरसाते रहे।पुलिस ने पीड़ित पत्नी निर्मला देवी की तहरीर पर सभी आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। मामला बस्ती जिले के पैकवलिया

थाना क्षेत्र में के जीतीपुर गांव का है। इस वारदात में युवक की आंख तक फूट गई। मृतक की पत्नी ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि जीतीपुर गांव में रहने वाले राम लखन वर्मा का पूरा परिवार इकट्ठा था। शनिवार की रात घर में दारू-मुर्गा पार्टी हुई। खाने के दौरान ही जायदाद को लेकर झगड़ा शुरू हो गया।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

इतने में उसके ससुर राम लखन वर्मा, सास मालती देवी, जेठ राम गनेश वर्मा, देवर राजेंद्र व विनोद उसके पति अमेरिका वर्मा के साथ गाली गलौज करने लगे। देखते ही देखते यह गाली गलौज मारपीट में बदल गई।पीड़िता ने बताया कि वह चिल्लाती रह गई, लेकिन आरोपी उसके पति तक उस समय तक पीटते रहे जबतक कि उसकी मौत नहीं हो गई। पीड़ित पत्नी का आरोप है कि वारदात के वक्त सभी आरोपी नशे में धुत थे। उधर, सीओ प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मृतक की पत्नी ने अपनी शिकायत में जायदाद हड़पने का आरोप लगाया है।

टीचर से अधिकारी ने मांगी रिश्वत

एंटी करप्शन टीम ने कम्प्यूटर ऑपरेटर को रंगे हाथ पकड़ा

गाजीपुर। गाजीपुर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एंटी करप्शन टीम ने जिले के सैदपुर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। वह खंड शिक्षा अधिकारी के कहने पर पीड़ित शिक्षक से 10 हजार रुपये रिश्वत के ले रहा था। पीड़ित ने खंड शिक्षा अधिकारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि पहले उसे विभागीय काम से स्कूल से भेजा गया।

फिर उसे अनुपस्थित दिखा दिया।पीड़ित ने खंड शिक्षा अधिकारी से उपस्थिति दर्ज कराने को कहा तो उससे 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई।पीड़ित शिक्षक ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से की। 21 नवंबर को एंटी करप्शन की टीम ने खंड शिक्षा अधिकारी सैदपुर के कार्यालय में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर सुजीत शर्मा को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के बाद सैदपुर थाने में सुजीत शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

प्राथमिक विद्यालय ककराही में है शिक्षक

पीड़ित यशवंत कुमार सिंह प्राथमिक विद्यालय ककराही पर तैनात हैं। उनका कहना है कि उन्हें 28 अक्टूबर को 12 :30 बजे खंड शिक्षा अधिकारी सैदपुर के द्वारा गैर हाजिर दिखा दिया गया। जबकि, वह विभाग के काम से ही विद्यालय से बाहर गया हुआ था। जब वह वापस आया तो प्रिंसिपल के द्वारा बताया गया कि उसकी गैर हाजिरी कर दी गई है। जिसके लिए वह खंड शिक्षा अधिकारी अविनाश राय से जाकर मिले।

निस्तारण के लिए मांगी 10 हजार रुपए की रिश्वत

पीड़ित यशवंत ने बताया कि वह 9 अक्टूबर को खंड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय गया। वहां वह खंड शिक्षा अधिकारी अविनाश राय से मिला। उन्होंने उससे कहा कि इस मामले का निस्तारण चाहते हो तो प्रार्थना पत्र के साथ 10 हजार रुपये कंप्यूटर ऑपरेटर सुजीत शर्मा को देकर मिल लो। इसके बाद सुजीत शर्मा से मिला तो उसने बताया कि साहब ने जो रकम देने को बताया है उतने पैसे का प्रबंध कीजिए तब मामला खत्म होगा। पीड़ित ने बताया कि इस मामले को लेकर उसने कंप्यूटर ऑपरेटर और खंड शिक्षा अधिकारी से कई बार निवेदन किया। लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हुए।

किस्मत का खेल ! बाइक चोरी की तो हुआ एक्सीडेंट

छोड़कर भागा तो पकड़ा गया चोर

गाजीपुर। गाजीपुर में एक बाइक चोर के साथ किस्मत ने ऐसा खेल किया कि उसे बाइक भी छोड़नी पड़ी और बाद में उसे पकड़ भी लिया गया। जी हां, यह अजीबोगरीब मामला जिले के नवली गांव का है। जहां से एक चोर ने बाइक चोरी की और लेकर बिहार की तरफ जाने लगा। बाइक चोर को एक वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया। चोर को लोगों ने हॉस्पिटल में भर्ती कराया और वो जो बाइक लेकर जा रहा था उसे भी हॉस्पिटल में ले जाकर खड़ा कर दिया। बैग में बाइक के कागज थे जिसके जिससे बाइक मालिक की पहचान हो सकी। बैग मालिक से जब संपर्क किया गया तो चोरी की घटना का खुलासा हुआ।

22 नवंबर को नवली गांव के रहने वाले रणजीत सिंह किसी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। अपनी बाइक को उन्होंने भदौरा बाजार के पास छोड़ दिया और पहचान वाले की कार से रवाना हो गए। जब समारोह से वापस आए तब पता चला कि उनकी बाइक चोरी हो गई है। इसके बाद बहुत देर तक खोजबीन चलती रही।

सामने आया सच

हॉस्पिटल स्टाफ ने शख्स के एक्सीडेंट की बात पुलिस को दी लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। दूसरे दिन सुबह इलाज के बाद शख्स हॉस्पिटल से निकला और एक स्टाफ मेंबर से बस स्टैंड छोड़ने को कहा। हॉस्पिटल स्टाफ ने शख्स को बस स्टैंड तक छोड़ दिया। वहीं एक्सीडेंट होने के बाद घायल की मोटरसाइकिल भी लोगों ने स्वास्थ्य केंद्र पर लाकर खड़ी कर दी थी। घायल जब बस स्टैंड गया तो बाइक वहीं छोड़ दी। जब उसकी बाइक को अस्पताल प्रशासन के लोगों ने चेक किया तो उसमें एक बैग में कई डॉक्यूमेंट मिले।

व्यापार जगत

भारत की 26 प्रमुख रियल्टी कंपनियों ने सितंबर तिमाही में 35,000 करोड़ की संपत्तियां बेचीं

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत की 26 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान लगभग 35,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची हैं। इनमें गोदरेज प्रॉपर्टीज ने सबसे अधिक बिक्री बुकिंग की है। शेयर बाजारों से मिले आंकड़ों के अनुसार, 26 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने संयुक्त रूप से चालू वित्त वर्ष की (जुलाई-सितंबर) दूसरी तिमाही में 34,985 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग की है। बिक्री बुकिंग का बड़ा हिस्सा आवासीय क्षेत्र से आया है। बिक्री बुकिंग के मामले में, सबसे ऊपर गोदरेज प्रॉपर्टीज ने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान 5,198 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग की।

लोढ़ा ब्रांड के तहत संपत्तियां बेचने वाली मुंबई स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड ने समीक्षाधीन तिमाही के दौरान 4,290 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग की। दिल्ली-एनसीआर स्थित मैक्स एस्टेट्स ने 4,100 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं, जबकि बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने तिमाही के दौरान 4,022.6

करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की। दिल्ली-एनसीआर स्थित सिग्नेचर ग्लोबल ने सितंबर तिमाही में 2,780 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी रियल्टी कंपनी डीएलएफ लिमिटेड की बिक्री बुकिंग जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान तेजी से घटकर 692 करोड़ रुपये रह गई, क्योंकि कंपनी ने कोई नई आवासीय परियोजना शुरू नहीं की। अन्य प्रमुख सूचीबद्ध खिलाड़ियों में, बेंगलुरु स्थित ब्रिगेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान 1,821 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग की सूचना दी, जबकि मुंबई स्थित ओबेरॉय रियल्टी ने 1,442.46 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग की।

मुंबई स्थित आदित्य बिड़ला रियल एस्टेट ने 1,412 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं। बेंगलुरु स्थित पुरवणकारा लिमिटेड और सोभा लिमिटेड ने क्रमशः 1,331 करोड़ रुपये और 1,178.5 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की। दिल्ली स्थित टीएआरसी लिमिटेड ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और सितंबर तिमाही के दौरान 1,012 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग की।

आईआईएफसीएल अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए चाहती है बुनियादी ढांचा का दर्जा : एमडी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईआईएफसीएल ने सरकार से अनुरोध किया है कि देश में उपग्रह वाहन विनिर्माण गतिविधि के आसान वित्तपोषण के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र को बुनियादी ढांचे की समन्वित सूची के अंतर्गत लाया जाए। वर्तमान में, इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) अपनी अनुषंगी कंपनी आईआईएफसीएल प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (आईपीएल) के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को सलाहकार सेवाएं प्रदान कर रही है। आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पी आर जयशंकर ने पीटीआई-भाषा से कहा, "अंतरिक्ष क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हम अपनी अनुषंगी कंपनी आईपीएल के माध्यम से लगे हुए हैं। आईपीएल को अंतरिक्ष उपग्रहों के हस्तांतरण सहित उनके कई प्रयासों में मदद के लिए इसरो से बार-बार ठेके मिले हैं।" उन्होंने कहा कि आईआईएफसीएल की अनुषंगी कंपनी ने इसरो से एनएसआईएल को 13 उपग्रहों को स्थानांतरित करने में मदद की है, जिसमें बहुत जटिल कानूनी प्रक्रिया शामिल थी। उन्होंने कहा कि आईपीएल ने भी अपनी व्यावसायिक योजनाएं बनाई हैं। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) इसरो की वाणिज्यिक इकाई है। इसका प्राथमिक दायित्व भारतीय उद्योगों को उच्च प्रौद्योगिकी अंतरिक्ष संबंधी गतिविधियों में सक्षम बनाना है तथा यह भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़े उत्पादों और सेवाओं के संवर्धन और वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए भी जिम्मेदार है।

अमेरिकी एसईसी सीधे अदाणी को नहीं बुला सकता, राजनयिक माध्यमों से नोटिस देना होगा: सूत्र

न्यूयॉर्क। अमेरिकी एसईसी को अदाणी समूह के संस्थापक और चेयरमैन गौतम अदाणी तथा उनके भतीजे सागर को कथित 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (2,200 करोड़ रुपये) के रिश्वत मामले में उचित राजनयिक चैनलों के जरिए समन भेजना होगा। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) के पास किसी विदेशी नागरिक को सीधे बुलाने का कोई अधिकार नहीं है। एसईसी चाहता है कि अदाणी अनुकूल सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए रिश्वत देने के आरोपों पर अपना रुख स्पष्ट करें। पूरे मामले से अवगत दो सूत्रों ने कहा कि इस अनुरोध को अमेरिका में भारतीय दूतावास के माध्यम से भेजना होगा और अन्य राजनयिक औपचारिकताओं के तहत स्थापित प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। सूत्रों के मुताबिक यह समन एसईसी के न्यूयॉर्क की अदालत के समक्ष दायर कानूनी दस्तावेज का हिस्सा है, और इसे अदाणी तक पहुंचने में कुछ समय लगेगा। अभी तक अदाणी को कोई समन नहीं सौंपा गया है। गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य प्रतिवादी, जो समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड में निदेशक हैं, पर

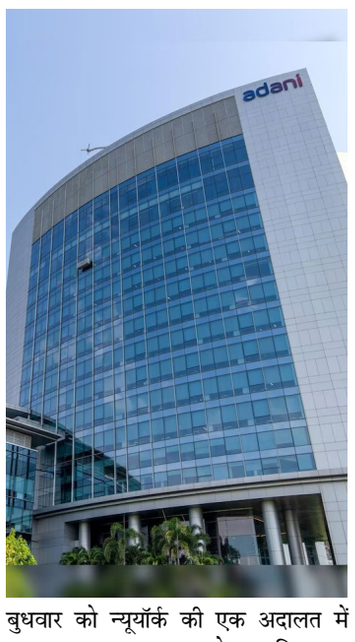

बुधवार को न्यूयॉर्क की एक अदालत में मुकदमा शुरू हुआ। इसके मुताबिक इन लोगों ने अनुकूल सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध पाने के लिए लगभग 2020 और 2024 के बीच भारतीय सरकारी अधिकारियों को लगभग 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने पर सहमति जताई थी।

विदेशी संपत्तियों की जानकारी देने के लिए सही आईटीआर चुनें: सीबीडीटी अधिकारी

नई दिल्ली। कर विभाग के अनुसार चालू आकलन वर्ष के दौरान अब तक विदेशी संपत्तियों और आय का विवरण देने वाले दो लाख आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए हैं। विभाग ने भारतीय निवासियों से यह आग्रह किया है कि वे विदेशी संपत्तियों की जानकारी देने के लिए सही फॉर्म दाखिल करें और यदि उन्होंने गलत फॉर्म जमा किया है तो अपने रिटर्न को संशोधित करें। एक वरिष्ठ सीबीडीटी अधिकारी ने बताया कि निवासी भारतीयों को विदेशी संपत्तियों

और विदेशी स्रोत आय अनुसूची को भरकर कर्मचारी शेयर विकल्पों के जरिये अपने नियोक्ताओं से मिले शेयरों और अर्जित आय के बारे में आयकर विभाग को जानकारी देनी चाहिए। कर विभाग और उसके प्रशासनिक प्राधिकरण केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने हाल ही में करदाताओं को अपने आयकर रिटर्न (आईटीआर) में अनुसूची 'विदेशी संपत्ति' (अनुसूची एफए) को सही ढंग से भरने और विदेशी स्रोतों (अनुसूची एफएसआई) से आय के बारे में बताने के लिए आकलन वर्ष (एवाई) 2024-25 के लिए अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान शुरू किया है। विभाग ने 'करदाताओं द्वारा विदेशी संपत्ति और आय का प्रकटीकरण' विषय पर एक ऑनलाइन बातचीत सत्र का आयोजन भी किया। इस दौरान सीबीडीटी में आयुक्त (जांच) शशि भूषण शुक्ला ने विषय के विभिन्न प्रावधानों और 2015 के कालाधन विरोधी अधिनियम के प्रावधानों की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि जिनके पास ऐसी संपत्ति या आय है, लेकिन उन्होंने आईटीआर-1 या आईटीआर-4 दाखिल किया है, उन्हें कालाधन विरोधी कानून के तहत निर्धारित दंड और अभियोजन से बचने के लिए 31 दिसंबर तक संशोधित या विलंबित रिटर्न दाखिल करना चाहिए।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र ने पेंशन सत्यापन प्रक्रिया को बदल दिया: पीएनबी अधिकारी

नई दिल्ली। पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) जारी करने की केंद्र की पहल से बहुत बड़ा बदलाव आया है और इसने पेंशन सत्यापन प्रक्रिया को बदल दिया है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि बैंक ने पेंशनभोगियों के लिए अनुकूल प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए इस महीने विशेष अभियान शुरू किया।

इसके तहत पहले 20 दिन में 2.15 लाख डीएलसी के प्रसंस्करण का काम पूरा किया गया। पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक संजय वार्ष्णेय ने कहा, 'डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (जीवन प्रमाण) की शुरुआत ने पेंशन सत्यापन प्रक्रिया को बदल दिया है। डीएलसी सेवा के जरिये पेंशनभोगियों के दरवाजे पर वरिष्ठ नागरिकों को सुविधा दी जा रही है।'उन्होंने कहा कि डीएलसी से बहुत बड़ा बदलाव हुआ है, क्योंकि यह प्रसंस्करण से संबंधित देरी को कम करने के अलावा उपयोगकर्ता के अनुकूल अनुभव देता है। वार्ष्णेय ने बताया, 'इससे यह भी तय होता है कि पेंशनभोगी अपनी स्वतंत्रता बनाए रख सकें।

विराट ने 30वां शतक लगाकर अपने नाम किए कई रिकॉर्ड

एजेंसी । पर्थ

पर्थ टेस्ट में आखिरकार करोड़ों भारतीय फैंस का इंतजार खत्म हुआ। विराट कोहली ने पर्थ टेस्ट में शानदार सेंचुरी लगाई। पूरे 491 दिन के इंतजार के बाद विराट कोहली ने टेस्ट सेंचुरी लगाई। विराट कोहली ने इसके साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। विराट ने क्या-क्या रिकॉर्ड्स तोड़े ये आगे जानिएगा लेकिन पहले जानिए कि इस खिलाड़ी ने अपने शतक का श्रेय किसे दिया? विराट कोहली ने शतक लगाने के बाद अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा को इसका श्रेय दिया। विराट ने बताया कि कैसे अनुष्का ने मुश्किल समय में उनका साथ दिया और वो उनके साथ हमेशा बनी रहीं।

अनुष्का का नाम लेकर इमोशनल हुए विराट

विराट कोहली ने बताया कि कैसे हर वक्त अनुष्का उनके साथ खड़ी रहीं। पर्दे के पीछे वो हर चीज जानती हैं। वो जानती हैं कि जब अच्छा प्रदर्शन नहीं होता तो दिमाग में क्या चल रहा होता है। वैसे विराट ने शतक लगाने के तुरंत बाद अनुष्का पर प्यार लुटाया। विराट ने सेंचुरी जड़ते ही अनुष्का को फ्लाइंग किस दिया। विराट ने कुछ ऐसा ही साल 2014 में किया था और अब 10 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में सीन देखने को मिला है।

अनुष्का ने किया सपोर्ट

पर्थ टेस्ट देखने के लिए अनुष्का शर्मा दूसरे दिन ही पहुंच गई थीं। दूसरे दिन विराट की बल्लेबाजी नहीं आई लेकिन अनुष्का ने टीम इंडिया की गेंदबाजी का लुत्फ उठाया। फिर तीसरे दिन वो मौका आया जिसका इंतजार अनुष्का को था।

विराट ने ब्रैडमैन-सचिन को पछाड़ा

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में 30वां शतक लगाया है और इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने के मामले में ब्रैडमैन को पछाड़ दिया। दिलचस्प बात ये है कि विराट ने 30वां टेस्ट शतक ब्रैडमैन की धरती पर ही लगाया है। विराट कोहली के इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेजी से 81 शतक हो गए हैं। विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा 7 टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने सचिन को पछाड़ दिया है। कुल मिलाकर पर्थ टेस्ट विराट और अनुष्का के लिए कभी ना भूल पाने वाला बन गया है। अब टीम इंडिया इस मैच को जीत जाए तो सोने पर सुहागा हो जाएगा।

IPL का मेगा ऑक्शन

12 खिलाड़ियों पर हुई पैसों की बारिश

एजेंसी । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 का मेगा ऑक्शन दो दिन हो रहा है। आज आईपीएल नीलामी का पहला दिन है। ऑक्शन का आयोजन सऊदी अरब के जेद्दा में हो रहा है। मेगा ऑक्शन में कुल मिलाकर 577 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। अधिकतम 204 खिलाड़ी नीलाम हो सकेंगे। यह आईपीएल का 18वां ऑक्शन हैं। अब तक 12 खिलाड़ियों की नीलामी हुई है। ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। ऋषभ पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा है।

अब तक सोल्ड खिलाड़ियों की लिस्ट

1. अर्शदीप सिंह (भारत)- 18 करोड़, पंजाब किंग्स (बेस प्राइस- 2 करोड़)
2. कगिसो रबाडा (साउथ अफ्रीका)- 10.75 करोड़, गुजरात टाइटन्स (बेस प्राइस- 2 करोड़)
3. श्रेयस अय्यर (भारत)- 26.75 करोड़, पंजाब किंग्स (बेस प्राइस- 2 करोड़)
4. जोस बटलर (इंग्लैंड)- 15.75 करोड़, गुजरात टाइटन्स (बेस प्राइस- 2 करोड़)
5. मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया)-11.75 करोड़, दिल्ली कैपिटल्स (बेस प्राइस- 2 करोड़)
6. ऋषभ पंत (भारत)- 27 करोड़, लखनऊ सुपर जायंट्स (बेस प्राइस- 2 करोड़)
7. मोहम्मद शमी (भारत)- 10 करोड़, सनराइजर्स हैदराबाद (बेस प्राइस- 2 करोड़)
8. डेविड मिलर (साउथ अफ्रीका)- 7.5 करोड़, लखनऊ सुपर जायंट्स (बेस प्राइस- 1.5 करोड़)
9. युजवेंद्र चहल (भारत)- 18 करोड़, पंजाब किंग्स (बेस प्राइस- 2 करोड़)
10. मोहम्मद सिराज (भारत)- 12.25 करोड़, गुजरात टाइटन्स (बेस प्राइस- 2 करोड़)
11. लियाम लिविंगस्टोन (इंग्लैंड)- 8.75 करोड़, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (बेस प्राइस- 2 करोड़)
12. केएल राहुल (भारत)- 14 करोड़, दिल्ली कैपिटल्स (बेस प्राइस- 2 करोड़)

पंजाब किंग्स को मिल गया नया कप्तान

एजेंसी । नई दिल्ली

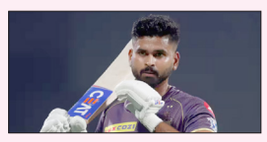

भारतीय टीम के विस्फोटक बल्लेबाज और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऋषभ को लखनऊ सुपर जाइंट्स ने रविवार को मेगा नीलामी में 27 करोड़ रूपये में खरीदा। इसके अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स को पिछले सीजन में खिताब दिलाने वाले श्रेयस अय्यर 26 करोड़ 75 लाख रूपये में पंजाब किंग्स के हुए। लखनऊ और पंजाब दोनों को ही इस सीजन में कप्तान की जरूरत थी।

आईपीएल विनिंग कैप्टन श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स ने मोटे दाम पर खरीद लिया। हालांकि काफी देर तक दिल्ली कैपिटल्स ने भी उनका पीछा किया, लेकिन पंजाब के पास इतना पर्स था कि कोई भी दूसरी टीम उसके सामने टिक ही नहीं पाई। अब बड़ा सवाल ये है कि क्या श्रेयस अय्यर ही पंजाब किंग्स के नए कप्तान होंगे।

विराट कोहली को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है: कपिल देव

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पूर्व दिग्गज हरफनमौला कपिल देव ने रविवार को यहां कहा कि विराट कोहली को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है और भारतीय क्रिकेट में उनका योगदान 'अद्वितीय' है। कोहली ने रविवार को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में अपना 30वां टेस्ट शतक जड़ा। कोहली (नाबाद 100) और युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (161) की शतकीय पारियों ने भारत ने इस मैच में अपना शिकंजा काफी मजबूत कर लिया। ऑस्ट्रेलिया में यह कोहली का सातवां शतक है। वह इसके साथ ही महान सचिन तेंदुलकर (छह शतक) के रिकॉर्ड को पीछे छोडकर इस देश में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले भारतीय बन गये। कपिल ने यहां विश्व समुद्र गोल्डन ईगल गोल्फ चैंपियनशिप के दौरान कहा, 'जिन लोगों को आलोचना करनी है वे आलोचना करेंगे। कोई बड़ा खिलाड़ी अगर वापसी करने में बहुत समय लेता है तो मीडिया ऐसा काम करती है।' उन्होंने कहा, 'हमें उसकी क्षमता और प्रतिभा देखनी चाहिये।

निडर मानसिकता के साथ खेला, साहसिक फैसले लिए: जायसवाल

एजेंसी । पर्थ

भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट में शानदार शतकीय पारी के लिए निर्भीक मानसिकता और साहसिक फैसले लेने की काबिलियत को अहम बताया। जायसवाल ने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर अपनी दूसरी ही पारी में 161 रन बनाए और केएल राहुल (77 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 201 रन जोड़कर भारत को 533 रन का लक्ष्य देने की नींव रखी। जायसवाल ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'यह मेरे लिए बहुत विशेष पल था। मैं हमेशा से ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना चाहता था और इसमें अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। यह पारी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा निडर मानसिकता के साथ खेलना चाहता था। मुझे खुद पर भरोसा है और मैं साहसिक फैसले लेता हूं। इसलिए ऑस्ट्रेलिया में इतने बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ खेलना एक अद्भुत अनुभव था। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के खिलाफ शतक बनाना बहुत खास है।'पहली पारी में आठ गेंद खेलकर शून्य पर आउट होने वाले जायसवाल ने कहा कि उनका फोकस ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों की नयी गेंद के स्पैल के खिलाफ डटे रहने पर था। उन्होंने कहा, 'पहली पारी में विकेट थोड़ा ज्यादा सीम कर रहा था। दूसरी पारी में हम चर्चा कर रहे थे कि नयी गेंद को बेहतर तरीके से कैसे खेला जाए, कौन सी गेंद छोड़नी है और कौन सी खेलनी है। इसलिए टीम के लिए यह महत्वपूर्ण था कि मैं नयी गेंद को बेहतर तरीके से खेलूं।' जायसवाल ने कहा कि उन्होंने दूसरी पारी के लिए छोटा लक्ष्य निर्धारित किया था। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतना बड़ा शतक बना पाऊंगा क्योंकि मेरे लक्ष्य छोटे थे, मैं सत्र दर सत्र पूरा करना चाह रहा था।

23 दिनों बाद भी बजट से कोसों दूर है सिंघम अगेन

'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3' दोनों ही फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 23 दिन पूरा हो चुका है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में सिंघम अगेन अब तक आगे चल रही थी लेकिन वीकेंड पर भूल भुलैया 3, सिंघम अगेन से आगे निकल गई है। 23 दिन के कलेक्शन की अगर बात करें, भूल भुलैया ने 243 करोड़ रुपए कमाई का आंकड़ा पार कर लिया। जबकि फिल्म का बजट 150 करोड रुपए का है। वहीं सिंघम अगेन अभी 238 करोड रुपए की कमाई पर संघर्ष कर रही है। फिल्म का बजट 350 करोड़ रुपये का है।

'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3' दोनों ही फिल्में 1 नवंबर को सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज हुई थी। स्क्रीन शेयरिंग को लेकर फिल्म रिलीज होने के पहले ही ये एक दूसरे के आमने-सामने थी। वहीं रिलीज होने के बाद बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की रेस शुरू हो गई। करीब 20 दिनों तक सिंघम अगेन ने अपना दबदबा कायम रखा और बॉक्स ऑफिस पर वह भूल भुलैया 3 से आगे बनी रही। लेकिन वीकेंड पर भूल भुलैया 3, सिंघम अगेन से रेस में आगे निकल गई है। सिंघम अगेन अभी 238 करोड़ रुपए की कमाई के साथ बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही है, तो वहीं भूल भुलैया 3 ने 243 करोड़ रुपए की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। भूल भुलैया 3 की कमाई का आंकड़ा जल्दी ढाई सौ करोड़ पहुंच जाएगा। फिल्म डेढ़ सौ करोड रुपए में बन कर तैयार हुई है, यानी फिल्म का प्रॉफिट 100 करोड़ रुपए का हो चुका है। वहीं सिंघम अगेन कि अगर बात करें तो फिल्म का बजट साढे 350 करोड़ रुपए का है, लेकिन फिल्म अभी भी ढाई सौ करोड रुपए के आंकड़े को भी नहीं छू पाई है, ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा की फिल्म रिलीज होने के 24 दिन बाद तक सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर अपनी कमाई वसूल कर पाने के लिए संघर्ष कर रही है। अब देखना यह होगा कि वह कब तक अपने बजट का आंकड़ा छू पाएगी, जो हालात दिख रहे हैं उसे देखकर यह कहा जा सकता है कि फिल्म रिलीज होने के 24 दिन बाद भी अपने बजट से कोसों दूर है।

120 करोड़ के बजट में बनी चिरंजीवी की फिल्म जिसे सलमान भी नहीं बचा सके

साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। उनका करियर शानदार रहा है। उन्हें इंडस्ट्री के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक माना जाता है। साउथ इंडस्ट्री में उन्हें मेगास्टार के तौर पर संबोधित किया जाता है। हिंदी ऑडियंस के बीच भी चिरंजीवी का बहुत पहले से जलवा रहा है। माहौल ऐसा है कि खुद बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान भी चिरंजीवी की फिल्म में कैमियो कर चुके हैं। चिरंजीवी ने करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं तो वहीं दूसरी तरफ उनकी फिल्में फ्लॉप भी रही हैं। ऐसी ही उनकी एक फिल्म थी जिसमें सलमान खान ने भी कैमियो किया था। मगर वे भी इस फिल्म को फ्लॉप होने से नहीं बचा सके थे।

120 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने कितने कमाए?

साल 2022 में आई इस फिल्म का बजट 120 करोड़ रुपये का था और फिल्म ने 108 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इस लिहाज से फिल्म फ्लॉप रही थी और अपना बजट भी नहीं निकाल सकी थी। ताज्जुब की बात तो ये है कि ये फिल्म उस दौरान फ्लॉप हुई थीं जब साउथ की और फिल्में काफी अच्छा कलेक्शन कर रही थीं। 2022 में कोरोना फेज से उभरने के बाद जनता अब सिनेमा हॉल की ओर जाने लग गई थी। इसके बाद भी चिरंजीवी की इस फिल्म को जनता की तरफ से ज्यादा प्यार नहीं मिला था।

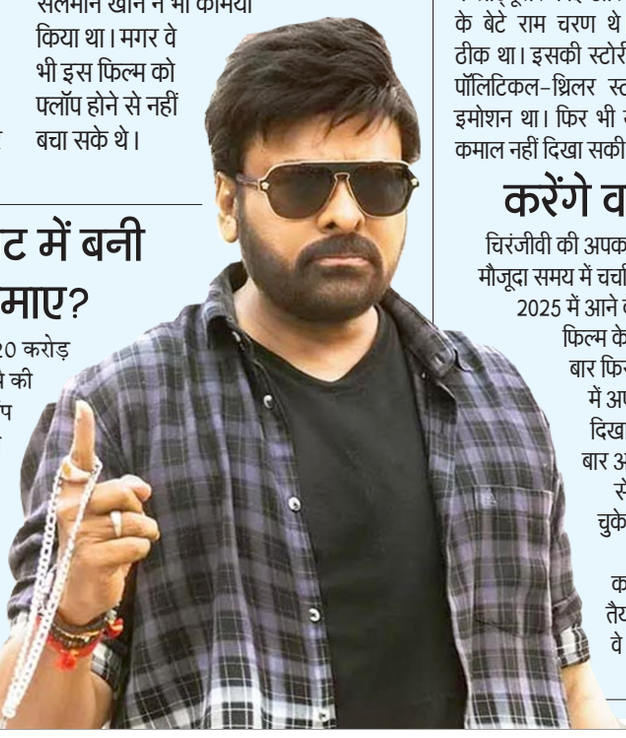

2 साल पहले आई थी फिल्म

ये फिल्म थी गॉडफादर। ये एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी जिसमें चिरंजीवी लीड रोल में थे। फिल्म का निर्देशन मोहन राजा ने किया था और फिल्म की कास्ट भी तगड़ी थी। इसमें नयनतारा लीड एक्ट्रेस के रोल में थीं। फिल्म के प्रोड्यूसर कोई और नहीं बल्कि चिरंजीवी के बेटे राम चरण थे। फिल्म में सबकुछ ठीक था। इसकी स्टोरीलाइन भी ठीक थी। पॉलिटिकल-थ्रिलर स्टोरी थी। ड्रामा था। इमोशन था। फिर भी ये फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

करेंगे वापसी?

चिरंजीवी की अपकमिंग फिल्म विश्वंभरा मौजूदा समय में चर्चा में है। ये फिल्म साल 2025 में आने के लिए तैयार है। इस फिल्म के जरिए चिरंजीवी एक बार फिर से 70 साल की उम्र में अपने एक्शन का जलवा दिखाएंगे। वे पहले भी कई बार अपने शानदार कमबैक से सभी फैंस को चौंका चुके हैं। विश्वंभरा फिल्म के साथ वे फिर से ये कमाल दोहराने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा वे Mega 157 फिल्म का भी हिस्सा हैं।

फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' का जलवा बरकरार

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों विक्रांत मैसी की फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' ने अपना जलवा बिखेरा हुआ है। फिल्म को फैंस से लेकर नेता, मंत्रियों ने भी देखा और फिल्म की तारीफ की है। वहीं अब इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छाई कमाई कर ली है। बता दें कि, दूसरे शनिवार को फिल्म ने 70.97 फीसदी की जबरदस्त बढ़त दर्ज की, जो इसके पहले शनिवार के मुकाबले काफी बेहतर है। वहीं फिल्म ने दूसरे सप्ताह के शुक्रवार को 1.55 करोड़ और शनिवार को 2.65 करोड़ का कलेक्शन किया, जिससे अब तक का कुल कलेक्शन 16.36 करोड़ तक पहुंच गया है। रविवार को भी फिल्म के मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, जिससे दूसरे सप्ताहांत का कुल कलेक्शन और बढ़ने की संभावना है। द साबरमती रिपोर्ट को खासतौर पर मुंबई सर्किट, दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद में शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म की दमदार कहानी और विक्रांत मैसी के शानदार अभिनय ने दर्शकों को प्रभावित किया है। फिल्म की यह सफलता इसे बॉक्स ऑफिस पर एक मजबूत कंटेंडर बनाती है और आने वाले दिनों में इसके कलेक्शन के और बढ़ने की संभावना है।

अफेयर की अफवाह पर एआर रहमान के सपोर्ट में उतरी सायरा बानो

ऑस्कर विजेता एआर रहमान और सायरा बानो का तलाक जबरदस्त तरीके से सुर्खियों में रहा। एआर रहमान और सायरा बानो के तलाक के ठीक बाद मोहिनी डे ने भी तलाक की घोषणा की, तो मोहिनी और एआर रहमान के अफेयर को लेकर अफवाह तेजी से फैलने लगी। हालांकि रहमान ने खुद इस तरह की अफवाह फैलाने वालों को लीगल नोटिस जारी करके आपत्तिजनक कंटेंट डिलीट करने की बात कही है, लेकिन इसी बीच अब सायरा बानो भी एआर रहमान के सपोर्ट में उतर आई हैं। उन्होंने बताया है कि उन्होंने मेडिकल रीजन की वजह से एआर रहमान से ब्रेक लिया है। उन्होंने वॉइस नोट में यह भी कहा कि मैं यूट्यूबर्स और तमिल मीडिया से रिक्वेस्ट करुंगी कि वह उनके खिलाफ कुछ भी बुरा ना कहें। एक रिपोर्ट में उन्होंने एआर रहमान का सपोर्ट किया है और मीडिया में चल रही उनको लेकर अफवाहों पर रिएक्ट किया है। अफवाह फैलाने वाले लोगों से अपील की है कि वह इस तरह की खबरें ना चलाएं।

एआर रहमान और सायरा बानो के तलाक ने उनके फैंस को हैरानी में डाल दिया था। लेकिन फैंस की हैरानी तब और बढ़ गई जब एआर रहमान की बैंड मेंबर रही मोहिनी डे ने भी अपने पति के साथ सेपरेशन का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दोनों के अफेयर की चर्चा होने लगी। गॉसिप का बाजार गर्म हो गया। इसके बाद रहमान के परिवार की तरफ से अपील की गई कि वह इस मुश्किल घड़ी में परिवार का साथ दें और अफवाह ना फैलाएं।

न्यूज ब्रीफ

महाकुंभ में AI की मदद से विदेशियों से बात करेगी पुलिस

नई दिल्ली। आने वाला साल महाकुंभ का आगाज लेकर आ रहा है जिसकी तैयारियां हो गई है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अगले वर्ष जनवरी में होने वाले महाकुम्भ में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को इलाहाबाद संग्रहालय अशोक स्तंभ और स्तंभ पर लिखी सम्राट समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति से परिचित कराने जा रहा है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इलाहाबाद संग्रहालय के डिप्टी क्यूरेटर डॉ. राजेश मिश्र ने बताया कि संग्रहालय ने महाकुम्भ के दौरान आगंतुकों के लिए अशोक स्तंभ की छोटी प्रतिकृति को स्मृति चिह्न के रूप बनाने का फैसला किया है। जिससे श्रद्धालुओं को सुखद अनुभव प्राप्त हो। साथ ही उन्होंने बताया है कि पुलिस के प्रशिक्षण मॉड्यूल में व्यवहार पर खास ध्यान दिया जा रहा है। जिसमें मेला क्षेत्र में बनी पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों को इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

डीएलसी ने पेंशन सत्यापन प्रक्रिया में किया बदलाव

नई दिल्ली। सरकार की ओर से मिलने वाली योजनाओं में राहत और योजनाओं को लेकर अपडेट आते रहते है। इसमें ही पेंशनभोगियों के लिए बड़ी अपडेट आई है। जहां पर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) जारी करने की केंद्र की पहल से बहुत बड़ा बदलाव आया है इसके तहत पेंशन सत्यापन प्रक्रिया को बदल दिया है। इस नए बदलाव को लेकर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि बैंक ने पेंशनभोगियों के लिए अनुकूल प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए इस महीने विशेष अभियान शुरू किया। इसके तहत पहले 20 दिन में 2.15 लाख डीएलसी के प्रसंस्करण का काम पूरा किया गया।

ट्रंप के ये दो धुरंधर होंगे चाइना के लिए सबसे बड़ा खतरा!

बीजिंग। चीन सरकार के एक नीति सलाहकार का मानना है कि टेक अरबपति एलन मस्क और भारतीय मूल के उद्यमी विवेक रामास्वामी चीन के लिए सबसे बड़ा खतरा होंगे। उनका कहना है कि दोनों की अध्यक्षता में गठित एक नए विभाग के साथ ट्रंप बड़े बदलाव की योजना बना रहे हैं, यह चीन के लिए सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि उसे कहीं अधिक कुशल अमेरिकी राजनीतिक प्रणाली के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। रिपोर्ट के अनुसार चीन के शीर्ष शैक्षणिक और बीजिंग के नीति सलाहकार झेंग योंगनियान का कहना है कि डोनाल्ड ट्रम्प 2.0 के दौरान चीन का सबसे बड़ा जोखिम मस्क और रामास्वामी द्वारा संचालित अमेरिकी सरकार का पुनर्गठन होगा।

युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिए तेज होगा अभियान

नई दिल्ली। युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार भले ही पिछले दस सालों से स्किल इंडिया नाम से देश में एक बड़ा अभियान छेड़े हुए है, जिसमें युवाओं को बड़े पैमाने पर हुनरमंद बनाने के दावे भी है, लेकिन हकीकत यह है कि देश में जिस क्षेत्रों में युवाओं की मांग है, उस क्षेत्र में उन्हें स्किल ही नहीं किया जा रहा है। ऐसे में हुनरमंद होने के बाद भी उन्हें काम नहीं मिल रहा है।

निज्जर हत्याकांड : आरोपियों पर सीधे सुप्रीम कोर्ट में केस चलाएगा कनाडा

एजेंसी । ओटावा

खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा सरकार ने चार भारतीय नागरिकों के खिलाफ 'सीधा अभियोग' दायर करने का फैसला लिया है। इस फैसले के कारण सुरे प्रांतीय अदालत में चल रही प्रारंभिक सुनवाई को रोक दिया गया है, और अब यह मामला सीधे सुप्रीम कोर्ट में सुना जाएगा। सीधा अभियोग दायर होने का मतलब है कि मामले में प्रारंभिक सुनवाई नहीं होगी और मामला सीधे ट्रायल के लिए सुप्रीम कोर्ट में जाएगा। इस प्रक्रिया में अभियुक्तों के वकीलों को अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने और मामले के खिलाफ साक्ष्य एकत्र करने का मौका नहीं मिलता। सीधे शब्दों में कहें तो निज्जर की कथित हत्या के आरोपियों के वकीलों को सरकारी गवाहों से जिरह करने का मौका नहीं मिल पाएगा।

ट्रायल के समय पर अनिश्चितता

अधिकारियों के अनुसार, अभी तक ट्रायल की तारीख या समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। परीक्षण से पहले कई आवेदन दाखिल किए जाएंगे, लेकिन यह बताना मुश्किल है कि इस प्रक्रिया में कितना समय लगेगा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और अन्य अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ है। भारत ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा है कि कनाडा ने इन आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं किया है।

गवाहों और सबूतों की स्थिति

अभियोजन पक्ष का कहना है कि चार अभियुक्तों के अलावा अभी किसी और पर आरोप नहीं लगाया गया है। हालांकि, जिन गवाहों के पास प्रासंगिक और स्वीकार्य साक्ष्य हैं, उन्हें अदालत में बुलाया जाएगा। गवाहों की सूची अभी दाखिल नहीं की गई है। प्रवक्ता ने बताया कि यह सूची आमतौर पर ट्रायल शुरू होने से पहले दायर की जाती है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या की साजिश 1 मई 2023 से 18 जून 2023 तक एडमंटन (अल्बर्टा) और सुरे (बीसी) में रची गई थी। हत्या 18 जून 2023 को सुरे में की गई थी। भारतीय कानून में 'डायरेक्ट इंडिक्टमेंट' जैसी कोई विशिष्ट अवधारणा नहीं है। यह प्रक्रिया मुख्य रूप से कनाडा और अन्य देशों के कानूनी तंत्र में प्रचलित है, जहां अभियोजन पक्ष प्रारंभिक सुनवाई को बायपास करते हुए सीधे मुख्य परीक्षण के लिए मामला सुप्रीम कोर्ट या उच्चतर न्यायालय में ले जाता है।

क्यों लिया गया यह कदम?

कनाडा के आपराधिक संहिता के तहत, सीधा अभियोग एक विशेष अधिकार है जिसे बहुत कम मामलों में लागू किया जाता है। यह तब इस्तेमाल में लाया जाता है जब जनता के हित में ऐसा करना आवश्यक हो, जैसे कि गवाहों, उनके परिवारों, या मुखबिरों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं हों।

कौन हैं आरोपी?

चारों आरोपी भारतीय नागरिक हैं। इनके नाम —करन बराड़, अमनदीप सिंह, कमलप्रीत सिंह, और करनप्रीत सिंह हैं। इनको मई 2024 में गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों पर 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सुरे में स्थित एक गुरुद्वारे के परिसर में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या करने का आरोप है। चारों अभियुक्तों पर फर्स्ट-डिग्री हत्या और हत्या की साजिश का आरोप लगाया गया है। ये पुलिस हिरासत में हैं और अब तक किसी को जमानत नहीं मिली है।

अगली सुनवाई और प्रक्रिया

पहले यह सुनवाई 21 नवंबर 2024 को सुरे प्रांतीय अदालत में होनी थी, लेकिन इसे रद्द कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मुकदमा कब शुरू होने की उम्मीद है, इसके लिए कोई अस्थायी तारीख या समयसीमा नहीं है। ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी) के सरे में एक गुरुद्वारे के परिसर में 18 जून, 2023 को निज्जर की हत्या के लिए इस साल मई में गिरफ्तार किए गए चार लोगों के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद से मामले की सुनवाई पांच बार स्थगित की जा चुकी है। अब यह मामला 11 फरवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक केस मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसी प्रॉसिक्यूशन सर्विस के प्रवक्ता डेमिएन डार्बी ने बताया, 18 नवंबर 2024 को अभियोजन पक्ष ने सुरे प्रांतीय अदालत की फाइल को रोक दिया और अब सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से सीधा अभियोग चलाने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट में 18 नवंबर को हुई पहली सुनवाई में चारों अभियुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए, जबकि अमनदीप सिंह अपने वकील के माध्यम से उपस्थित रहे। अदालत ने अभियोजन पक्ष के आवेदन पर, और बचाव पक्ष की सहमति से, सुनवाई से संबंधित जानकारी के प्रकाशन पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है।

फिर खुलेगी लेटरल एंट्री की फाइल

संसदीय समिति करेगी पड़ताल

एजेंसी । नई दिल्ली

सरकारी विभागों में प्रमुख पदों को भरने के लिए 'लेटरल एंट्री' का मुद्दा एक फिर से सूर्खियां में आने वाला है। ज्वाइंट सेक्रेटरी, डिप्टी सेक्रेटरी और डायरेक्टर लेवल के 45 सरकारी पदों पर यूपीएससी के जरिये लेटरल एंट्री की जानी थी। जिसके लिए 17 अगस्त 2024 को जारी विज्ञापन जारी किया गया था। लेकिन विपक्षी पार्टियों के विरोध के बाद यूपीएससी से केंद्र सरकार ने इस विज्ञापन को रद्द करने के लिए कहा था। सरकारी विभागों में प्रमुख पदों को भरने के लिए 'लेटरल एंट्री' के मुद्दे की एक संसदीय समिति द्वारा पड़ताल की जाएगी। इस साल की शुरुआत में इन पदों के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं किए जाने को लेकर राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था। लोकसभा सचिवालय द्वारा सार्वजनिक किए गए विवरण के अनुसार, कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय विभाग से संबंधित संसद की स्थायी समिति द्वारा 2024-25 में पड़ताल के लिए चुने गए विषयों में सिविल सेवाओं में 'लेटरल एंट्री' भी शामिल है। इस वर्ष अगस्त में संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने 45 पदों के लिए विज्ञापन दिया था, जिन्हें अनुबंध के आधार पर लेटरल एंट्री के माध्यम से भरा जाना था। इनमें से 10 संयुक्त सचिव और 35 निदेशक एवं उप सचिव के पद थे।

विपक्ष ने किया था विरोध

इस विज्ञापन पर विपक्षी दलों के साथ-साथ एनडीए में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड) जैसी सहयोगी पार्टियों ने भी विरोध जताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती और समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं करने पर सरकार की नीति की आलोचना की थी।

केंद्र सरकार ने यूपीएससी से विज्ञापन रद्द करने कहा

इसके बाद केंद्र सरकार ने यूपीएससी से अपना विज्ञापन रद्द करने को कहा। नौकरशाहों की भर्ती आमतौर पर सिविल सेवा परीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है, लेकिन लेटरल एंट्री के जरिए सीमित अवधि के लिए सीधे भर्ती की जाती है। लेटरल एंट्री के जरिये भर्ती में आमतौर पर किसी विशेष क्षेत्र के विशेषज्ञ होते हैं। वर्तमान में इन नियुक्तियों पर कोई कोटा लागू नहीं है।

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में 232 डॉक्टरों की होगी नियुक्ति

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों में रिक्त पदों के अनुसार 232 जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (जीडीएमओ-डॉक्टर) की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। एलजी कार्यालय ने रविवार 23 नवंबर को कहा कि एलजी सक्सेना के कार्यभार संभालने के बाद उनके निर्देशों के बाद यूपीएससी ने रिक्त पदों को भरने के लिए ठोस प्रयास के परिणामस्वरूप इन डॉक्टरों की नियुक्ति की है। उन्हें ग्रुप "ए" अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया गया था और उन्हें लोक नायक, राजा हरीश चंद्र, लाल बहादुर शास्त्री और दीन दयाल उपाध्याय अस्पतालों सहित कई अस्पतालों के साथ-साथ अन्य सीडीएमओ कार्यालयों में तैनात किया जाएगा। उम्मीद है कि इन नियुक्तियों से पिछले कई वर्षों से स्थायी डॉक्टरों की नियुक्ति में हो रही अत्यधिक देरी के कारण पैदा हुई स्थिति में राहत मिलेगी, क्योंकि आप सरकार तदर्थ तरीके से अनुबंध के आधार पर नियुक्तियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाया था आरोप

इससे पहले, 4 अगस्त को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना का कार्यालय झूठ फैला रहा है और दिल्ली सरकार के अस्पतालों में चिकित्सा कर्मियों की भारी कमी को नजरअंदाज कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रकृति बार-बार दिल्ली पर शासन कर रहे दिल्ली के एलजी विनय सक्सेना को बेनकाब करने और पूरे देश के सामने उनकी सच्चाई उजागर करने के अवसर पैदा करती रहती है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, "एलजी लगातार अपने कार्यालय के पीछे छिपते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से जनता और मीडिया के सामने झूठ फैलाते हैं। ऐसा ही एक झूठ कल एलजी के कार्यालय से मीडिया के सामने पेश किया गया। मैं एलजी से अनुरोध करता हूं कि वे अपने कार्यालय के पीछे छिपना बंद करें और अप्रत्यक्ष रूप से जनता के सामने झूठ पेश करना बंद करें। इसके बजाय, उन्हें एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी चाहिए और खुद ही ये झूठ लिखकर मीडिया और देश की जनता के सामने पेश करना चाहिए ताकि उनके झूठ के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके।"

अदाणी के खिलाफ JPC जांच की मांग को लेकर बिहार में बवाल, कांग्रेस ने फूंका पुतला

एजेंसी । पटना

अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी समूह पर सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,200 करोड़ रुपए की रिश्वत देने की एक व्यापक साजिश का कथित रूप से हिस्सा होने का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर विपक्ष लगातार जेपीसी जांच की मांग रही है। कांग्रेस बिहार के अध्यक्ष ने रविवार को भाजपा पर गंभार आरोप लगाए है। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर अदाणी समूह के प्रवक्ता के रूप में काम करने का रविवार को आरोप लगाया, जिसपर अमेरिका में रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। राज्यसभा सदस्य अखिलेश प्रसाद सिंह आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (JPC) की मांग को लेकर दबाव डालने के लिए कांग्रेस की प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित एक प्रदर्शन के मौके पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि लंबे समय से हमारे नेता राहुल गांधी गौतम अदाणी के अनैतिक कार्यों को उजागर कर रहे हैं। किसी ने ध्यान नहीं दिया। अब, अमेरिका में एक घोटाला सामने आया है, जिसने दुनिया भर में देश की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है।

जेपीसी गठन की मांग की

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम मांग करते हैं कि भ्रष्टाचार घोटाले की जांच के लिए जल्द से जल्द एक जेपीसी का गठन किया जाए। अदाणी और उनके साथ मिलीभगत करने वाले सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

अदाणी का फूंका पुतला

इस मांग को लेकर बिहार कांग्रेस ने रविवार को प्रदर्शन किया। इस दौरान अखिलेश प्रसाद सिंह के साथ कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान सहित पार्टी के कई सहयोगी शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने इस अवसर पर पुतला फूंकने के साथ ही अदाणी और प्रधानमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

अदाणी को बचा रही केंद्र सरकार

कांग्रेस नेता ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि अदाणी उद्योग समूह को लेकर विवादों के बावजूद, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार उन्हें बचाने की कोशिश कर रही है और मीडिया से बात करने वाले भाजपा के नेता अदाणी के प्रवक्ता के रूप में ओवरटाइम काम करते प्रतीत होते हैं।

क्या है मामला ?

अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी पर सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,200 करोड़ रुपए की रिश्वत देने की एक व्यापक साजिश का कथित रूप से हिस्सा होने का आरोप लगाया है। अदाणी समूह ने आरोप से इनकार करते हुए कहा है कि अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं और समूह सभी कानूनों का अनुपालन करता है।

बवाल जामा मस्जिद सर्वे के दौरान पथराव-फायरिंग के बाद इंटरनेट भी बंद

संभल में पुलिस पर जमकर पथराव, तीन युवकों की मौत

एजेंसी । संभल

यूपी के संभल में बवाल, पथराव, आगजनी और फायरिंग में तीन युवकों की मौत के बाद शहर में इंटरनेट भी बंद कर दिया गया है। कोर्ट के आदेश पर रविवार को कोर्ट कमिश्नर की टीम शाही जामा मस्जिद में दूसरी बार सर्वे को पहुंची तो बवाल हो गया। उपद्रवियों ने पहले जामा मस्जिद के बाहर और फिर नखासा इलाके में पुलिस पर जमकर पथराव किया। उन्होंने दोनों स्थानों पर कम से कम एक दर्जन वाहनों को आग लगा दी और फायरिंग की। इस दौरान एसपी के पीआरओ, सीओ और कोतवाल समेत दर्जनभर पुलिसकर्मी घायल हो गए। उधर, बार-बार समझाने के बाद भी भीड़ के शांत न होने पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पहले आंसू गैस के गोले छोड़े और फिर लाठीचार्ज कर दिया। कई राउंड हवाई फायरिंग भी की। करीब ढाई घंटे चली हिंसा के दौरान भीड़ में शामिल तीन लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद अफवाहों को रोकने के लिए संभल शहर में इंटरनेट बंद करने का फैसला किया गया। पुलिस ने दो महिलाओं 15 लोगों को हिरासत में लिया है। उधर, जामा मस्जिद के बाहर बवाल के दौरान ही पुलिस ने भारी सुरक्षा के बीच सर्वे टीम को जैसे-तैसे सुरक्षित बाहर निकाला।

पुलिस की लाठी साबित हुआ भीड़ के लिए चिंगारी

रविवार को कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव के साथ वादी अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, डीएम डा. राजेंद्र पैंसिया, एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई पुलिस बल के साथ दोबारा सर्वे करने शाही जामा मस्जिद पहुंचे थे। करीब 7.30 बजे सर्वे शुरू हुआ। सर्वे के दौरान मस्जिद के पीछे गलियों व सड़कों पर मुस्लिम समाज के लोग जुटने लगे। माहौल को देखते हुए पहले एसपी केके विश्नोई और बाद में डीएम डा. पैंसिया मस्जिद से निकलकर पुलिस बल के साथ लोगों को समझाते रहे लेकिन लोग नहीं माने। इस बीच मस्जिद के पीछे गली में उग्र भीड़ को काबू में करने के लिए जब पुलिस ने पहली लाठी भांजी तो ये हजारों की भीड़ के लिए चिंगारी साबित हुआ। गुस्साए लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। पहले से पुलिस वाले जान बचाकर भागे लेकिन फिर पलटवार करते हुए लाठी चार्ज कर दिया। इसके बाद तो भीड़ और उग्र हो गई और दोनों ओर से पुलिस को घेरकर पथराव करने लगी।

उपद्रवियों को गोली मारने का आदेश

इसके साथ ही आधा दर्जन से अधिक प्रशासन, स्थानीय लोगों के वाहनों को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। हालात बिगड़ता देख मस्जिद से उपद्रवियों को गोली मारने का आदेश देना पड़ा। इसके बाद उपद्रवियों ने भी फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग से भीड़ तितर-बितर हो गई। कार्रवाई के दौरान एक उपद्रवी की मौत हो गई। तब तक डीआईजी मुनिराज जी भी पहुंच गए। जिसके बाद डीआईजी, डीएम व एसपी ने गलियों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एक-एक कर 15 उपद्रवियों को पकड़कर कोतवाली भेजा।

भाजपा के पास कोई राजनीतिक नैतिकता नहीं, गैरकानूनी तरीकों से हेरफेर करके जीतते हैं चुनाव : DMK

एजेंसी । चेन्नई

डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर नए सिरे से हमला किया और आरोप लगाया कि पार्टी के पास कोई राजनीतिक नैतिकता नहीं है और कहा कि वे किसी तरह गैरकानूनी तरीकों से अपनी जीत में हेरफेर करते हैं। मीडिया से बात करते हुए एलंगोवन ने कहा, 'भाजपा के पास कोई राजनीतिक नैतिकता नहीं है। उन्होंने झारखंड को तोड़ने की कोशिश की और उन्होंने जेएमएम के वरिष्ठ नेता (चंपई सोरेन) को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। वे विधायकों को खरीदते हैं और राजनीतिक दलों को तोड़ते हैं। वे किसी तरह गैरकानूनी तरीकों से अपनी जीत में हेरफेर करते हैं, लेकिन आखिरकार लोगों को समझ में आ गया है कि भाजपा राज्य में किसी भी अन्य पार्टी से ज्यादा खतरनाक है।'

मणिपुर में हो रही घटनाओं पर रख रहे हैं नजर

टीकेएस एलंगोवन ने कहा- 'वे मणिपुर में हो रही घटनाओं पर नजर रख रहे हैं। इसलिए उन्होंने भाजपा गठबंधन को हराया। हम इसका स्वागत करते हैं और झारखंड के नए मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देते हैं।' इस बीच, आज कांग्रेस सांसद और झारखंड चुनाव के सह प्रभारी सप्तगिरी उलाका ने कहा कि गठबंधन सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेगी और घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करने की कोशिश करेगी।